R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 61 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के 50 साल पूरे

जयपुर। जयपुर स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित किया, जिसमें नई स्वास्थ्य सुविधाओं और भवनों का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान

के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा मुख्य रूप से मौजूद रहे। संस्थान की शुरुआत वर्ष 1976 में एक आयुर्वेद कॉलेज के रूप में हुई थी और आज यह देश का पहला आयुर्वेद डीम्ड विश्वविद्यालय बन चुका है। यह केंद्र आयुर्वेद शिक्षा, रिसर्च और मरीज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संस्थान प्राचीन आयुर्वेद ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच मजबूत सेतु का काम कर रहा है। राज्य सरकार आयुष पद्धति को मुख्यधारा स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने आयुर्वेद को वैज्ञानिक और प्रमाण आधारित चिकित्सा प्रणाली के रूप में आगे बढ़ाने पर जोर दिया। समारोह में नए ओपीडी ब्लॉक, उन्नत ऑपरेशन थिएटर, सिमुलेशन लैब और धनवंतरी औषधीय पौधा उद्यान का उद्घाटन किया गया। साथ ही संस्थान का पहला पॉडकास्ट भी लॉन्च हुआ। कार्यक्रम का समापन आयुर्वेद को और मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

वैश्विक रैंकिंग में एम्स टॉप-6 में

नई दिल्ली। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), नई दिल्ली ने वैश्विक स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए दुनिया के सबसे मजबूत हॉस्पिटल ब्रांड्स में छठा स्थान पाया है। ब्रांड फाइनेंस

की '2026 ग्लोबल टॉप 250 हॉस्पिटल्स' रिपोर्ट में एम्स को यह रैंकिंग दी गई है, जो अंतरराष्ट्रीय हेल्थकेयर सेक्टर में भारत की बढ़ती साख को दिखाती है। रिपोर्ट में एम्स को जॉन्स हॉपकिंस मेडिसिन और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ स्थान मिला है। एम्स ने ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स (BSI) में 79.9 अंक हासिल किए। रिसर्च के क्षेत्र में संस्थान का स्कोर 79.4 रहा, जो उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक शोध और निरंतर अध्ययन को दर्शाता है। वहीं मरीज देखभाल क्षमता के आधार पर केयर स्कोर 76.1 दर्ज किया गया। यह रैंकिंग 500 से अधिक एकेडमिक मेडिकल सेंटर्स के विस्तृत मूल्यांकन पर आधारित है। इसमें 2,500 हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की राय और 30 से ज्यादा मानकों को शामिल किया गया। एम्स को दक्षिण एशिया का सबसे मजबूत हॉस्पिटल ब्रांड भी माना गया है। संस्थान प्रशासन ने इसे डॉक्टरों, नर्सों, रिसर्चर्स और स्टाफ की सामूहिक मेहनत का नतीजा बताया। यह उपलब्धि भारत के पब्लिक हेल्थ सिस्टम के लिए भी गौरव का विषय मानी जा रही है।

मलेशिया दौरे पर पीएम मोदी की सराहना, प्रतिनिधि सभा सदस्य ने की जीरो टॉलरेंस नीति की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में दो दिवसीय दौरे पर मलेशिया पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मलेशिया के शीर्ष नेताओं और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। मलेशिया की प्रतिनिधि सभा के सदस्य एम. कुलसेगरन ने प्रधानमंत्री मोदी से हुई इस मुलाकात को फायदेमंद और मजेदार बताया, साथ ही आतंकवाद के खिलाफ सख्त नियंत्रण की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

स्किल्स ट्रेनिंग और तकनीकी सहयोग पर चर्चा:-

एम. कुलसेगरन ने पीएम मोदी के मलेशिया दौरे को लेकर कहा, "मैंने मलेशिया से जुड़े कुछ मुद्दे उठाए, जिन पर भारत ध्यान दे सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे इस पर जरूर गौर करेंगे। खासतौर पर मैंने स्किल्स ट्रेनिंग पर सहयोग की जरूरत पर जोर दिया।" उन्होंने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ चुका है। "भारत की उपलब्धियां चांद तक पहुंचने और वैज्ञानिक रिसर्च में उसकी सफलता को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री इन क्षेत्रों में सहयोग करने और मलेशिया में रह रहे भारतीयों की मदद करने के लिए भी सहमत हुए हैं।"

भारतीय समुदाय के लिए सहयोग को बताया अहम:-

मलेशियाई प्रतिनिधि सभा सदस्य ने कहा कि यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय ऐसे हैं, जो आगे बढ़ना और अच्छा करना चाहते हैं। उन्होंने

कहा, "मैं इस बात के लिए बहुत आभारी हूं कि प्रधानमंत्री ने हमसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उन्होंने केवल 15 संसदीय सदस्यों, सीनेटरों, मंत्रियों और उपमंत्रियों से बातचीत की। यह मुलाकात फायदेमंद, मजेदार और काफी अच्छी रही।"

पीएम मोदी को बताया सहज, ईमानदार और दूरदर्शी नेता:-

पीएम मोदी की सराहना करते हुए एम. कुलसेगरन ने कहा, "मैं पहले भी प्रधानमंत्री मोदी से मिल चुका हूं, लेकिन यह पहली बार था जब हमारे बीच विस्तार से बातचीत हुई। हमने ग्रुप के साथ वन-टू-वन चर्चा की। वह बहुत सहज और ईमानदार लगे।" उन्होंने कहा कि पीएम मोदी आगे की सोच रखने वाले नेता हैं, जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं। "इसी तरह आप दुनिया को आगे बढ़ाते हैं और शांति व स्थिरता की दिशा में काम करते हैं।"

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति का समर्थन:-

आतंकवाद के खिलाफ पीएम मोदी की जीरो टॉलरेंस नीति पर टिप्पणी करते हुए कुलसेगरन ने कहा, "किसी भी देश को आतंकवाद के प्रति बेहद सतर्क रहना चाहिए। अगर आप आतंकवाद को बढ़ावा देंगे या इस पर आंखें मूंद लेंगे, तो यह एक दिन फट पड़ेगा।" उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई देश यह सोचता है कि आतंकवाद केवल उसके बाहर की समस्या है, तो वह भूल करता है, क्योंकि यह भीतर भी फैल सकता है। "मलेशिया, भारत और दुनिया के अन्य देशों को मिलकर ऐसे मामलों में सहयोग करना चाहिए, ताकि आतंकवाद को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सके।"

होली के बाद बिहार यात्रा पर निकलेंगे तेज प्रताप यादव, बोले— 'RJD में अब कुछ नहीं बचा'

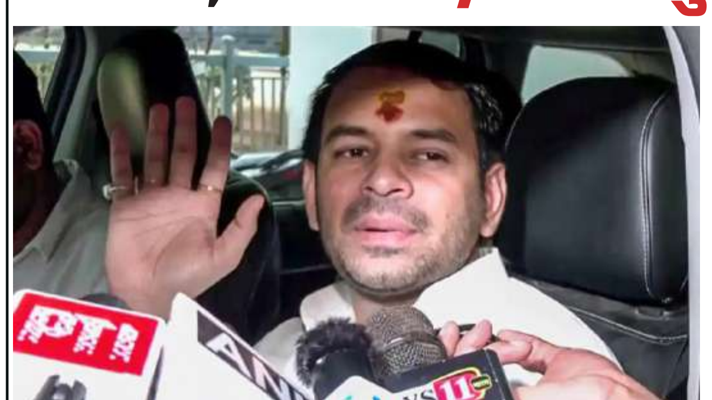

पटना। जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने सोमवार (09 फरवरी, 2026) को आरजेडी और उसके नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने यहां तक कहा कि आरजेडी में अब कुछ भी शेष नहीं रहा है। उनका आरोप है कि अब पार्टी के भीतर लालू यादव का फैसला या आदेश भी प्रभावी नहीं रह गया। पटना में सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि जनशक्ति जनता दल का संगठन दूसरे राज्यों में भी तेजी से तैयार किया जा रहा है। उन्होंने ऐलान किया कि होली के बाद वे बिहार यात्रा पर निकलेंगे और इसकी तैयारियां जारी हैं। तेज प्रताप यादव ने स्पष्ट कहा कि आरजेडी अब कार्यकर्ताओं की पार्टी नहीं रह गई है। हर दिन लोग उनकी पार्टी से जुड़ रहे हैं। अलग-अलग जिलों से आरजेडी के कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं और कोई वहां टिके रहना नहीं चाहता। चूड़ा-दही भोज में लालू यादव के आशीर्वाद की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब सबको समझ आ गया है कि असली जनशक्ति जनता दल ही है। बिहार के पूर्व मंत्री ने कहा कि आरजेडी लगातार कमजोर होती जा रही है और इसी कारण पार्टी 25 सीटों तक सिमट गई है।

'जयचंदों ने पिताजी को भी बर्बाद कर दिया':-

आरजेडी में 'जयचंदों' के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन लोगों ने उनके पिताजी (लालू यादव) को भी नुकसान पहुंचाया। अब वहां पिताजी का निर्णय भी नहीं माना जाता। आरजेडी को इन्हीं जयचंदों ने खराब किया है। बहन रोहिणी आचार्या का भी कई बार अपमान किया गया। टिकट बेचने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि इसमें गलत क्या कहा जा रहा है? चुनाव के समय कार्यकर्ताओं से पैसों की मांग की जाती है। जो कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत करते हैं, उन्हें मेहनताना नहीं मिलता, जबकि उद्योगपतियों को फायदा पहुंचता है। आरजेडी के एमएलसी सुनील सिंह द्वारा उन्हें 'बच्चा' कहे जाने पर पलटवार करते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि सुनील सिंह की उनके सामने खड़े होने की भी औकात नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो मुझे बचकाना बता रहे हैं, उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि 'बच्चा' कब 'चच्चा' बन जाए।

ट्रंप का नया ट्रोलिंग वार: कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को बताया अमेरिका का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दुनिया के नेताओं को ट्रोल किया है। उन्होंने एक ऐसा नक्शा दोबारा शेयर किया है जिसमें कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को अमेरिका का हिस्सा दिखाया गया है। खास बात ये है कि 20 जनवरी 2026 को भी ट्रंप ने ये तस्वीर पोस्ट की थी। सोमवार को ट्रुथ सोशल पर अपलोड की गई एआई मॉक-अप तस्वीर में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर समेत यूरोपीय नेता ग्राफिक को देखते हुए दिख रहे हैं, जबकि ट्रंप जीते हुए इलाके को दिखा रहे हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट पर कोई कैप्शन नहीं लिखा है। इस पोस्ट ने वैश्विक बहस छेड़ दी है, खासकर ट्रंप की पुरानी टिप्पणियों के संदर्भ में, जहां उन्होंने कनाडा को 51वां राज्य बनाने और ग्रीनलैंड खरीदने

की बात की थी। वे लगातार यह दावा करते रहे हैं कि डेनमार्क का इलाका ग्रीनलैंड, रूस और चीन से होने वाले कथित खतरों के बीच आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। वेनेजुएला का शामिल होना हाल ही में वहां के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो की गिरफ्तारी के बाद आया है। ट्रंप ने पहले भी एआई तस्वीरें शेयर करके ग्रीनलैंड को चिढ़ाने का काम किया है। उन्हें द्वीप पर अमेरिकी झंडा लगाते हुए दिखाया गया था। इस महीने की शुरुआत में अल्फाल्फा क्लब में एक ब्लैक टाई डिनर में, ट्रंप ने मजाक में कहा था कि अमेरिका हमला करने के बजाए ग्रीनलैंड को खरीद लेगा। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने इस दौरान कहा, "हम ग्रीनलैंड पर हमला नहीं करने वाले हैं। हम इसे खरीदने वाले हैं। ग्रीनलैंड को 51वां राज्य बनाने का मेरा कभी इरादा नहीं रहा। मैं कनाडा को 51वां राज्य बनाना चाहता हूं। ग्रीनलैंड 52वां और वेनेजुएला 53वां हो सकता है।" ट्रंप कनाडा को 51वां राज्य बनाने की धमकी देकर कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को पहले भी नाराज कर चुके हैं। मई 2025 में ओवल ऑफिस में हुई एक मीटिंग के दौरान, कार्नी ने ट्रंप को चेतावनी दी थी कि कनाडा बिक्री के लिए नहीं है, और कभी भी बिक्री के लिए नहीं होगा। उन्होंने ट्रंप से कहा, "जैसा कि आप रियल एस्टेट से जानते हैं, कुछ जगहें ऐसी होती हैं जो कभी बिक्री के लिए नहीं होतीं।"

'सरकार के मालिक जैसे हैं, मना कौन करेगा', मोहन भागवत के बयान पर बोले चंद्रशेखर आजाद

यूपी। उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि देश में अभिव्यक्ति की आजादी है और कोई भी व्यक्ति किसी के लिए भी सम्मान या पुरस्कार की मांग कर सकता है, लेकिन मोहन भागवत की स्थिति सामान्य नहीं है। चंद्रशेखर आजाद ने तंज करते हुए कहा कि भागवत सरकार के मालिक जैसे हैं, ऐसे में उन्हें मांग करने की क्या जरूरत, वे कह देंगे तो कौन मना करेगा। उन्होंने कहा कि देश की

आजादी और सामाजिक बदलाव की लड़ाई में किसका कितना योगदान रहा है, यह इतिहास में दर्ज है और सबको मालूम है। उन्होंने दोहराया कि उनकी पार्टी लंबे समय से बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग करती आ रही है। कांशीराम ने देश की राजनीति और सामाजिक चेतना को नई दिशा दी और वंचित समाज को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने 1857 की क्रांति के नायक कोतवाल धन सिंह गुर्जर को भी भारत रत्न देने की मांग फिर उठाई। नगीना सांसद ने कहा कि ऐसे वीरों और महापुरुषों को उचित सम्मान न देना उन वर्गों का अपमान है, जिनसे वे जुड़े रहे। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि समाज इस उपेक्षा को बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर सरकार ने इन महान हस्तियों को सम्मान देने की मांग पर ध्यान नहीं दिया तो जनता लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी। उन्होंने कहा कि लोग इस अपमान को सहन नहीं करेंगे और वोट की ताकत से इसका जवाब देंगे।

रूसी तेल खरीद को लेकर क्या होगा भारत का स्टैंड?

-विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने किया साफ

नई दिल्ली। भारत की ओर से कच्चे तेल की खरीद पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार (9 फरवरी 2026) को स्पष्ट किया कि देश अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा खरीद के स्रोत तय करेगा। भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे पर कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा और अमेरिका-वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदेगा, विदेश सचिव ने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति के लिए कई स्रोत बनाए रखना भारत की रणनीति का हिस्सा है।

'सभी देशों को ऊर्जा की सुरक्षित आपूर्ति हो'

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा, "भारत वैश्विक ऊर्जा बाजार में कीमतों को स्थिर रखने में अहम भूमिका निभाता है। भारत और आसपास के कई देशों की साझा रुचि है कि ऊर्जा की कीमतें स्थिर रहें और सभी देशों को सुरक्षित व भरोसेमंद आपूर्ति मिलती रहे।" उन्होंने बताया कि तेल कंपनियां यह तय करती हैं कि किस देश से तेल खरीदा जाए और उनके फैसले मुख्य रूप से बाजार की परिस्थितियों पर आधारित होते हैं।

रूसी तेल खरीद को लेकर होगा भारत का स्टैंड

रूस से तेल खरीद को लेकर सवाल पर विदेश सचिव ने कहा, "हम एक विकासशील अर्थव्यवस्था हैं और संसाधनों की उपलब्धता को लेकर सजग रहना पड़ता है। जब हम 80-85 फीसदी तक आयात पर निर्भर हैं, तो कीमतों के प्रति संवेदनशील होना स्वाभाविक है। ऊर्जा के मामले में हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है।"

हम कई देशों से ऊर्जा खरीदते हैं: विदेश सचिव

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था ने काफी अनिश्चितताएं देखी हैं, जिसका असर ऊर्जा बाजार की स्थिरता पर पड़ा है। भारत न केवल बड़ा उपभोक्ता है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में संतुलन बनाए रखने में भी भूमिका निभाता है। उन्होंने दोहराया कि भारत कई देशों से ऊर्जा खरीदता है और इस क्षेत्र में विविधता जितनी अधिक होगी, देश उतना ही सुरक्षित रहेगा।

10 साल से कम समय में चंद्रमा पर शहर बनाने का लक्ष्य: एलन मस्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने कहा है कि वह अगले 10 साल से कम समय में चंद्रमा (Moon) पर खुद बढ़ने वाला शहर (self-growing city) बनाने का लक्ष्य रखे हैं। इसके बाद करीब 20 साल में मंगल ग्रह (Mars) पर मानव की मौजूदगी होगी। मस्क के अनुसार, स्पेसएक्स अब चंद्रमा पर शहर बनाने पर ज्यादा ध्यान दे रहा है, क्योंकि इसे मंगल की तुलना में जल्दी पूरा किया जा सकता है। उनका कहना है कि चंद्रमा पर शहर 10 साल से कम समय में बन सकता है, जबकि मंगल पर ऐसा करने में 20 साल से ज्यादा समय लग सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने कहा कि स्पेसएक्स का मुख्य उद्देश्य इंसानी जीवन और चेतना को अंतरिक्ष में आगे बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि मंगल पर यात्रा तभी संभव होती है जब पृथ्वी और मंगल की स्थिति सही होती है, जो हर 26 महीने में होती है। मंगल तक पहुंचने में करीब 6 महीने लगते हैं। वहीं, चंद्रमा के लिए हर 10 दिन में मिशन लॉन्च किया जा सकता है और वहां पहुंचने में

लगभग 2 दिन लगते हैं। इसी कारण चंद्रमा पर शहर बनाने का काम तेजी से किया जा सकता है। मस्क ने कहा कि स्पेसएक्स मंगल पर भी शहर बनाने की कोशिश करेगा और इसकी शुरुआत 5 से 7 साल में हो सकती है, लेकिन अभी सबसे बड़ी प्राथमिकता मानव सभ्यता का भविष्य सुरक्षित करना है, और इसके लिए चंद्रमा बेहतर और तेज विकल्प है। पिछले साल सितंबर में मस्क ने कहा था कि पहला बिना इंसान वाला Starship मिशन दो साल में मंगल पर भेजा जाएगा। Starship दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट माना जाता है और भविष्य में इंसानों को पहले चंद्रमा और फिर मंगल तक ले जाने में इस्तेमाल होगा। उन्होंने कहा कि अगर शुरुआती बिना इंसान वाले मिशन सफल रहे, तो 4 साल के अंदर इंसानों के साथ मंगल मिशन शुरू किया जा सकता है। मस्क के अनुसार, इसके बाद अंतरिक्ष उड़ानों की संख्या तेजी से बढ़ेगी और लगभग 20 साल में मंगल पर खुद बढ़ने वाला शहर बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

नेपाल चुनाव: भारत के साथ सीमा चौकियां 72 घंटे के लिए बंद रहेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश नेपाल में आगामी 5 मार्च को संसदीय चुनाव होने वाले हैं। इस दौरान नेपाल और भारत के सुरक्षा अधिकारियों ने चुनाव को ध्यान में रखते हुए और सुरक्षित मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने पर सहमति जताई है। शुक्रवार को मोरंग जिले के बीरतनगर में नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के बीच आयोजित 16वीं उप महानिरीक्षक (डीआईजी) स्तरीय समन्वय बैठक हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने चुनावों में बाधा उत्पन्न कर सकने वाले अवांछित तत्वों की घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा नियंत्रण को कड़ा करने पर सहमति व्यक्त की। एपीएफ के प्रवक्ता डीआईजी बिष्णु प्रसाद भट्ट ने समाचार एजेंसी को बताया कि हमने भारतीय पक्ष से चुनाव से दो दिन पहले सीमा चौकियों को बंद करने का अनुरोध किया था और वे हमारे प्रस्ताव पर सहमत हो गए। समझौते के अनुसार, चुनाव दिवस सहित तीन दिनों (72 घंटे) के लिए सीमा चौकियां बंद रहेंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सीमा चौकियों को बंद करना दोनों देशों में एक प्रथा है। भट्ट ने आगे कहा कि चूंकि चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों पर सुरक्षा एजेंसियों की भारी तैनाती होती है, इसलिए सीमा पार अवांछित समूहों की आवाजाही को रोकना आवश्यक है। एपीएफ के अनुसार, दोनों पक्षों ने सीमा सुरक्षा, सीमा पार अपराधों पर नियंत्रण, तीसरे देशों के नागरिकों के अवैध प्रवेश की रोकथाम, मानव तस्करी, नकली मुद्रा, हथियार और गोला-बारूद, साथ ही नशीले पदार्थों की तस्करी और व्यापार पर भी चर्चा की। भारत ने नेपाल और भारत के बीच खुली सीमा का फायदा उठाकर कश्मीरी और पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ की आशंका पर बार-बार चिंता व्यक्त की है। एपीएफ ने बताया कि बैठक में सीमा स्तंभों की सुरक्षा, यात्रियों की आवाजाही सुगम बनाने, संयुक्त गश्त, आपदा बचाव अभ्यास और संयुक्त खेल गतिविधियों के आयोजन पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्ष संवेदनशील सीमा बिंदुओं की पहचान करने, संभावित जोखिमों का आकलन करने, शरणार्थियों और प्रवासियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने और विभिन्न स्तरों पर नियमित जांच करने पर सहमत हुए।

वैष्णो देवी यात्रियों का बीमा अब 10 लाख रुपये

जम्मू कश्मीर। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों के लिए बीमा कवर 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये प्रति व्यक्ति कर दिया है। यह निर्णय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में यात्रा मार्ग चौड़ीकरण, निकास मार्ग, ढलान स्थिरीकरण, नए हेलीपैड और दिव्यांग विद्यालय सहित कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा हुई। बोर्ड ने सुरक्षा, स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता के उच्च मानक सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

हिंदू मुस्लिम तनाव देश को विकसित करने में बाधक

देश का नागरिक तब ही सुरक्षित और संपन्न हो सकता है जब देश आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक रूप से सुधारात्मक रास्ते पर चलता है । देश की सैन्य शक्ति मजबूत होती है । देश में विभिन्न धार्मिक समूहों, वर्गों, जातियों एवं उपजातियों के बीच आपसी भाईचारा शांति एवं सद्भाव होता है। समाज में आपसी भाईचारा शांति एवं सद्भाव की स्थिति में बच्चों, बड़ों का बौद्धिक विकास तेजी से होता है। बच्चे पढ़-लिखकर अच्छे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, उध्योगपति एवं नेता बनते हैं। हर स्तर पर व्यक्ति सिर्फ देश के विकास की सोच रखता है। समाज में व्याप्त बुराइयों और गैर-कानूनी गतिविधियों को दूर करने की कोशिश करता है। समाज के विभिन्न धर्मो के लोगों के बीच सम्मान होता है, एक दूसरे की इज्जत करने की प्रवृति विकसित हो जाती है। अच्छे समाजों में अच्छे व्यक्ति पैदा होते हैं, जो देश को विकसित बनाने में अपना योगदान देते हैं। अच्छे समाज के व्यक्तियों में से अच्छे नेता निकलते हैं, अच्छे नेताओं में से ही अच्छे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक बनते हैं। जो देश के विकास के लिए हर समय प्रयासरत और चिंतित रहते हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि देश में वर्तमान में धर्म, जाति एवं नफरत की राजनीति का बोलबाला दिखाई दे रहा है। धर्म और जातियों को सत्ता हासिल करने का साधन बनाया जा रहा है। सामाजों एवं धार्मिक समूहों के बीच नफरत पैदा करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे समाजों में जो नेता पैदा हो रहे हैं, वे देश की जनता को आपस में लड़ाने, बांटने के प्रयास करने में व्यस्त दिखाई देने लगे हैं। नेताओं और देश के उच्च अधिकारियों के लिए अपने नागरिकों को अच्छी शिक्षा, रोजगार देने का उद्देश्य न होकर सिर्फ पैसा कमाना बनता जा रहा है। देश में संविधान सिर्फ नाम का रह गया है। न्यायालयों में न्याय निष्पक्षता से नहीं हो रहा है। न्यायपालिका सत्ता में बैठे उच्च स्तर के लोगों से प्रभावित दिखाई दे रही है। देश में ऐसे-ऐसे कानून लाये जा रहे हैं, जिनकी कोई जरूरत नहीं है। देश में सुरक्षा के नाम पर अरबों डॉलर युद्धक विमान, एंटी-मिसाइल एवं पनडुब्बियाँ खरीदने पर खर्च किया जा रहा है। लेकिन देश की सत्ता में बैठे नेताओं को शिक्षा, रिसर्च एवं विकास का बजट बढ़ाने में मुश्किल दिखाई देती है। कॉलेज, अस्पताल, यूनिवर्सिटी बनाने से ज्यादा खर्च धार्मिक स्थलों पर किया जा रहा है। शिक्षा स्थलों, व्यापार प्रतिष्ठानों एवं कार्य स्थलों पर धार्मिक नफरत के उदाहरण दिखाई देने लगे हैं। विकसित भारत का नारा भी दिखाई देने लगा है। लेकिन यह कोई बताने के लिए तैयार नहीं है कि भारत विकसित बनेगा कैसे ? देश में बढ़ती बेरोजगारी, सरकारी स्कूलों की टूटी-फूटी जर्जर इमारतें, अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती भीड़ देश की स्थिति की कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। माना जाता है कि देश में नकारात्मकता का वातावरण देश की बर्बादी का संकेत माना जाता है। हिन्द मुस्लिम तनाव देश के दर्जनों स्थानों पर दिखाई दे रहा है, फिर भी सरकार चिंतित होने के बजाये पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करती दिखाई देती है। हिंदू मुस्लिम तनाव के कारण विदेशी निवेश आने में परेशानी होती है। देश आर्थिक रूप से कमजोर होता है। देश में रोजगार के साधन कम होते हैं। ऐसी स्थिति में विकसित भारत के नारे की क्या मायने हैं ? इसलिए कहा जा सकता है कि देश में हिंदू मुस्लिम में तनाव विकसित भारत बनने में बाधक है।

भारत से कारोबार के लिए बेताब दुनिया: बदलती वैश्विक व्यवस्था में उभरती आर्थिक महाशक्ति

यकीनन इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है और इस नई बनती विश्व व्यवस्था में भारत एक मजबूत, भरोसेमंद और तेज़ी से उभरती आर्थिक शक्ति के रूप में सामने आया है। विकसित और विकासशील—दोनों तरह के देश भारत के साथ व्यापारिक समझौते करने और आर्थिक साझेदारी बढ़ाने के लिए उत्सुक दिखाई दे रहे हैं। यह केवल कूटनीतिक बयानबाज़ी नहीं, बल्कि हाल के महीनों में हुए कई ठोस व्यापारिक समझौतों, निवेश प्रस्तावों और रणनीतिक साझेदारियों से साफ दिखाई देता है।

हाल ही में 5 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा कि नई विश्व व्यवस्था भारत की ओर झुकी हुई है। पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अक्सर कहा जाता था कि भारत अवसर खो देता है, लेकिन अब वैश्विक आर्थिक विश्लेषकों का मत बदल चुका है। आज दुनिया के बड़े देश यह मानने लगे हैं कि यदि वे भारत के साथ आर्थिक रूप से नहीं जुड़ पाए, तो वे खुद एक बड़ा अवसर गंवा देंगे। यह बदलाव भारत की आर्थिक क्षमता, जनसांख्यिकीय ताकत, डिजिटल उछाल और बुनियादी ढांचे के तेज विस्तार का नतीजा है।

भारत का मजबूत होता इंफ्रास्ट्रक्चर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) की बढ़ती भागीदारी, ऊर्जा क्षेत्र में सुधार, नई पीढ़ी की टेक्नोलॉजी क्षमता, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर की ताकत—इन सबने मिलकर भारत को वैश्विक उद्योग और व्यापार के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना दिया है। दुनिया की बड़ी कंपनियां अब भारत को केवल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन, डिजाइन, रिसर्च और इनोवेशन के केंद्र के रूप में देख रही हैं।

अमेरिका के साथ भारत का हालिया अंतरिम व्यापार समझौता इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन वार्ता के बाद इस समझौते ने आकार लिया। इस डील के तहत कई क्षेत्रों में भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ने की संभावना है, वहीं अमेरिकी निवेश भी भारत में बढ़ेगा। खास बात यह है कि भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है और रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर लगाया गया अतिरिक्त दंडात्मक टैरिफ भी हटाया गया है। इससे भारतीय निर्यातकों को बड़ी राहत मिलेगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

यह समझौता केवल व्यापारिक आंकड़ों का मामला नहीं है, बल्कि “मेक इन इंडिया”, “डिजाइन इन इंडिया” और “इनोवेट इन इंडिया” जैसे अभियानों को वैश्विक स्तर पर गति देने वाला है। इससे भारत में उत्पादन बढ़ेगा, सप्लाई चेन मजबूत होगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। टेक्नोलॉजी, फार्मा, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल, एग्री-प्रोसेसिंग और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है।

इसी तरह यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भी ऐतिहासिक महत्व रखता है। नई दिल्ली में आयोजित भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के दौरान इस समझौते का ऐलान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ऊर्सला वान डेर लायन ने इसे दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक नए युग की शुरुआत बताया। ऊर्सला ने तो इसे “मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स” तक कहा—यानी ऐसा समझौता जो कई अन्य वैश्विक व्यापारिक ढांचों को प्रभावित कर सकता है।

भारत-ईयू एफटीए की बातचीत 2007 में शुरू हुई थी, लेकिन 2013 में रुक गई। फिर जून 2022 में इसे दोबारा शुरू किया गया और अब यह अंतिम चरण तक पहुंची है। यह तथ्य महत्वपूर्ण है

कि यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और ईयू के बीच वस्तुओं और सेवाओं का कुल व्यापार 190 अरब डॉलर से अधिक रहा। वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर रहा, जिसमें भारत का निर्यात 75.85 अरब डॉलर और आयात 60.68 अरब डॉलर था।

ईयू भारत में निवेश का भी बड़ा स्रोत है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक यूरोपीय संघ से भारत में लगभग 117 अरब डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। यह निवेश ऑटोमोबाइल, नवीकरणीय ऊर्जा, मशीनरी, फार्मा, केमिकल और हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्रों में हुआ है। इससे साफ है कि ईयू भारत को दीर्घकालिक साझेदार के रूप में देख रहा है।

भारत और यूरोपीय संघ एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि पूरक साझेदार हैं। भारत श्रम-प्रधान और प्रोसेस्ड वस्तुओं का निर्यात करता है, जबकि ईयू पूंजीगत वस्तुएं, उन्नत तकनीक और औद्योगिक मशीनरी उपलब्ध कराता है। इस तरह दोनों की आर्थिक संरचना एक-दूसरे को सपोर्ट करती है। यही कारण है कि एफटीए के तहत 90 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर आयात शुल्क कम या समाप्त करने पर सहमति बनी है। बाकी वस्तुओं पर चरणबद्ध तरीके से शुल्क घटाया जाएगा।

यह एफटीए केवल वस्तुओं के व्यापार तक सीमित नहीं है। इसमें सेवाओं, निवेश, डिजिटल व्यापार, बौद्धिक संपदा, अनुसंधान, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, कनेक्टिविटी और कौशल गतिशीलता जैसे पहलू भी शामिल हैं। छात्रों, शोधकर्ताओं, उच्च कुशल पेशेवरों और मौसमी कामगारों की आवाजाही को आसान बनाने की दिशा में भी प्रावधान किए गए हैं। इससे शिक्षा, रिसर्च और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बड़ा लाभ होगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग इस समझौते का एक मजबूत स्तंभ है। स्मार्ट ग्रिड, जल प्रबंधन, वैक्सीन अनुसंधान, आईसीटी, पोलर साइंस और स्पेस रिसर्च जैसे क्षेत्रों में साझा परियोजनाओं की संभावना बढ़ेगी। अंतरिक्ष सहयोग के क्षेत्र में भारत और यूरोप पहले से काम कर रहे हैं, जिसे अब नई संस्थागत मजबूती मिलेगी। इससे भारतीय वैज्ञानिकों और टेक्नोलॉजी संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म मिलेगा।

दुनिया भारत की ओर इसलिए भी आकर्षित है क्योंकि भारत ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच स्थिर विकास दर बनाए रखी है। जहां कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मंदी, महंगाई और सप्लाई चेन संकट से जूझ रही हैं, वहीं भारत ने अपेक्षाकृत संतुलित विकास दिखाया है। राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत निरंतरता और सुधारों की दिशा ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। भारत की डिजिटल क्रांति भी एक बड़ा कारण है। यूपीआई, डिजिटल पेमेंट, आधार आधारित सेवाएं, जीएसटी नेटवर्क, डिजिटल लॉजिस्टिक्स और ई-गवर्नेंस ने कारोबार करना आसान बनाया है। इससे ट्रांजेक्शन लागत घटी है और पारदर्शिता बढ़ी है। विदेशी कंपनियां ऐसे इकोसिस्टम को प्राथमिकता देती हैं जहां नियम स्पष्ट हों और प्रक्रियाएं तेज हों। मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) जैसी योजनाओं ने इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, सेमीकंडक्टर, सोलर, ड्रोन और फार्मा क्षेत्रों में निवेश आकर्षित किया है। कई वैश्विक कंपनियां चीन-प्लस-वन रणनीति के तहत भारत को उत्पादन केंद्र बना रही हैं। इससे भारत वैश्विक सप्लाई चेन का अहम हिस्सा बन रहा है।

हालांकि, व्यापार समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को कुछ घरेलू सुधार भी तेज़ करने होंगे। घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना, लॉजिस्टिक्स लागत कम करना, गुणवत्ता मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाना, गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना और निर्यात विविधीकरण पर जोर देना जरूरी है। एमएसएमई सेक्टर को विशेष सपोर्ट देना होगा ताकि वे एफटीए के अवसरों का फायदा उठा सकें।

सेवा क्षेत्र—आईटी, हेल्थकेयर, एजुकेशन, फिनटेक, कंसल्टिंग—भारत की बड़ी ताकत है। व्यापार समझौतों में सेवा निर्यात को प्राथमिकता देकर भारत अपने ट्रेड बैलेंस को मजबूत कर सकता है। साथ ही कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए संतुलित नीति जरूरी होगी, ताकि घरेलू उत्पादकों को नुकसान न हो।

भू-राजनीतिक स्तर पर भी भारत एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है। भारत ने बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलित कूटनीति अपनाई है—अमेरिका, यूरोप, रूस, पश्चिम एशिया और इंडो-पैसिफिक देशों के साथ समानांतर संबंध बनाए हैं। यही वजह है कि अलग-अलग खेमों के देश भी भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं। कुल मिलाकर तस्वीर यह है कि भारत अब वैश्विक व्यापार का “मौका गंवाने वाला” देश नहीं, बल्कि “मौका देने वाला” देश बन चुका है। दुनिया भारत के बाजार, प्रतिभा, टेक्नोलॉजी क्षमता और विकास संभावनाओं को पहचान रही है। अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों के साथ हो रहे व्यापार समझौते आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकते हैं।

यदि भारत घरेलू सुधारों, कौशल विकास, तकनीकी उन्नयन और निर्यात प्रतिस्पर्धा पर निरंतर ध्यान बनाए रखता है, तो वह न केवल व्यापारिक शक्ति बल्कि एक विकसित राष्ट्र के रूप में भी तेजी से आगे बढ़ सकता है। बदलती वैश्विक व्यवस्था में यह भारत के लिए सुनहरा दौर साबित हो सकता है।

डिजिटल युग में बचपन: समाज और संस्कृति पर मंडराता संकट

डिजिटल युग ने मानव जीवन की दिशा और गति दोनों को बदल दिया है। इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग ने सूचना, संवाद और मनोरंजन के तरीकों में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। यह बदलाव अपने आप में न पूरी तरह नकारात्मक है और न पूरी तरह सकारात्मक। तकनीक ने अवसर भी दिए हैं और चुनौतियां भी खड़ी की हैं। असली समस्या तब पैदा होती है जब समाज, परिवार और विशेष रूप से बच्चे इस तेज़ परिवर्तन के मनोवैज्ञानिक, नैतिक और सामाजिक प्रभावों के लिए तैयार नहीं होते। आज सबसे गंभीर चिंता का विषय यह है कि डिजिटल लहर के बीच बचपन, सामाजिक रिश्ते और सांस्कृतिक मूल्य किस तरह प्रभावित हो रहे हैं।

समाज का असली ताना-बाना कानूनों या संस्थाओं से नहीं, बल्कि आपसी भरोसे, रिश्तों, संस्कारों और सामूहिक चेतना से बनता है। यह सामाजिक पूंजी पीढ़ियों के अनुभव से तैयार होती है। लेकिन डिजिटल तकनीक की तेज़ रफ्तार ने इस ढांचे को झकझोर दिया है। सोशल मीडिया ने एक तरफ लोगों को जोड़ने का आसान माध्यम दिया है, वहीं दूसरी तरफ गलत सूचना, दिखावा, तुलना और आभासी प्रतिस्पर्धा के जरिए सामाजिक संतुलन को कमजोर भी किया है। अब संवाद की जगह प्रतिक्रियाएं हैं, संबंधों की जगह कनेक्शन हैं और पहचान की जगह प्रोफाइल है।

बच्चों और किशोरों पर इसका असर सबसे ज्यादा दिखाई देता है। आज का बच्चा डिजिटल परिवेश में बड़ा हो रहा है। उसके लिए स्क्रीन सिर्फ एक साधन नहीं, बल्कि दुनिया को देखने की पहली खिड़की बन चुकी है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप उसके सीखने, खेलने और दोस्ती करने के माध्यम बन गए हैं। पहले जहां बचपन का मतलब खुला खेल, प्रकृति से जुड़ाव, परिवार के साथ समय और किताबों की संगत था, वहीं अब उसका बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर बीत रहा है। इससे बचपन का स्वाभाविक विकास प्रभावित हो रहा है।

सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग ने बच्चों के मनोरंजन की परिभाषा बदल दी है। ये प्लेटफॉर्म केवल समय बिताने का जरिया नहीं रहे, बल्कि बच्चों की सोच, भावनाओं और आत्म-छवि को आकार देने लगे हैं। ऑनलाइन गेम्स टास्क और रिवार्ड के मॉडल पर चलते हैं—लेवल पूरा करो, अंक पाओ, आगे बढ़ो। यह प्रक्रिया दिमाग में उत्तेजना पैदा करती है और धीरे-धीरे आदत से लत में बदल सकती है। बच्चा बार-बार उसी रोमांच को पाना चाहता है। कई गेम्स और प्लेटफॉर्म ऐसे मनोवैज्ञानिक डिजाइन पर आधारित होते हैं जो उपयोगकर्ता को लंबे समय तक जोड़े रखें। इससे बच्चों में

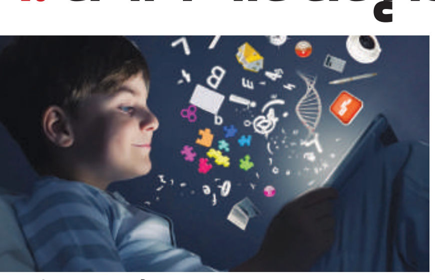

निर्भरता बढ़ती है। जब गेम या सोशल मीडिया की दुनिया वास्तविक जीवन से ज्यादा आकर्षक लगने लगती है, तब खतरे की घंटी बजती है। बच्चा पढ़ाई, खेल, परिवार और वास्तविक मित्रता से दूर होने लगता है।

डिजिटल लत का सीधा असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। लगातार स्क्रीन टाइम बच्चों में चिड़चिड़ापन, बेचैनी, अकेलापन और तनाव बढ़ा सकता है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि अत्यधिक डिजिटल उपयोग से ध्यान क्षमता घटती है, नींद प्रभावित होती है और भावनात्मक संतुलन कमजोर होता है। सोशल मीडिया पर तुलना की संस्कृति बच्चों के आत्मसम्मान को चोट पहुंचाती है। उन्हें लगता है कि दूसरे उनसे ज्यादा सफल, सुंदर और लोकप्रिय हैं। यह भावना धीरे-धीरे हीनता और अवसाद में बदल सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग में हार-जीत का दबाव, साथियों से तुलना और लगातार बेहतर प्रदर्शन की मजबूरी भी मानसिक दबाव बढ़ाती है। कुछ गेम्स में हिंसक या जोखिम भरे टास्क भी होते हैं, जो संवेदनशील बच्चों पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर समय रहते नियंत्रण और मार्गदर्शन नहीं दिया गया तो यह समस्या आने वाली पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करेगी।

हाल के वर्षों में कुछ दुखद घटनाओं ने इस खतरे को और स्पष्ट किया है, जहां सोशल मीडिया या ऑनलाइन गेमिंग की लत ने बच्चों के व्यवहार और फैसलों को गंभीर रूप से प्रभावित किया। ऐसी घटनाएं नीति निर्माताओं और समाज—दोनों के लिए चेतावनी हैं। अब यह मुद्दा केवल पारिवारिक चिंता नहीं, बल्कि सार्वजनिक नीति और सामाजिक स्वास्थ्य का विषय बन चुका है।

आर्थिक सर्वेक्षणों और नीति चर्चाओं में भी डिजिटल प्लेटफॉर्म के बच्चों पर प्रभाव को लेकर चिंता जताई गई है। सुरक्षित डिजिटल इकोसिस्टम बनाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। बच्चों के लिए सोशल मीडिया की न्यूनतम आयु सीमा तय करने, सख्त सत्यापन प्रणाली और कंटेंट फिल्टर जैसे उपायों पर विचार हो रहा है। आईटी से जुड़े अधिकारी भी संकेत दे चुके हैं कि इस दिशा में नीतिगत मंथन चल रहा है।

वैश्विक स्तर पर भी यह बहस तेज हुई है। कुछ देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए कई प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रोक लगाने का फैसला किया। नए खाते खोलने पर प्रतिबंध और पुराने प्रोफाइल निष्क्रिय करने जैसे कदम उठाए गए। इस फैसले ने पूरी दुनिया में चर्चा छेड़ दी—क्या बच्चों की सुरक्षा के लिए डिजिटल स्वतंत्रता सीमित करना जरूरी हो गया है? यह सवाल तकनीकी से ज्यादा सामाजिक और नैतिक है।

भारत में भी इस तरह के कदमों पर चर्चा चल रही है, लेकिन यह समझना जरूरी है कि केवल प्रतिबंध ही अंतिम समाधान नहीं हो सकते। तकनीक को पूरी तरह रोकना न संभव है और न व्यावहारिक। जरूरत संतुलन और समझदारी की है। यहां परिवार, स्कूल, समाज और सिविल सोसायटी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। हर समस्या का समाधान केवल सरकारी नीति से नहीं आता। सरकार दिशा दे सकती है, नियम बना सकती है, लेकिन बच्चों के दैनिक जीवन में डिजिटल संतुलन लाने की जिम्मेदारी परिवार और समाज को मिलकर निभानी होगी।

माता-पिता की भूमिका सबसे निर्णायक है। डिजिटल दौर में पैरेंटिंग का मतलब बदल गया है। अब केवल स्कूल भेजना और जरूरतें पूरी करना काफी नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवहार पर नजर रखना भी जरूरी है।

माता-पिता को बच्चों के डिजिटल जीवन में रुचि लेनी चाहिए—वे क्या देख रहे हैं, कौन से गेम खेल रहे हैं, किससे बात कर रहे हैं। रोक-टोक के बजाय संवाद का रास्ता ज्यादा प्रभावी होता है। अगर बच्चा डर या दबाव महसूस करे तो खुलकर बता सके, ऐसा भरोसे का रिश्ता जरूरी है। घर में स्क्रीन टाइम की सीमा तय करना, बिना मोबाइल के पारिवारिक समय रखना और खुद भी उदाहरण पेश करना महत्वपूर्ण है।

शैक्षणिक संस्थानों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में डिजिटल साक्षरता को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। बच्चों को साइबर सुरक्षा, फेक न्यूज, ऑनलाइन शोषण और डिजिटल शिष्टाचार के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए। उन्हें यह समझाया जाए कि डिजिटल दुनिया उपयोग का साधन है, जीवन का विकल्प नहीं।

डिजिटल संस्कृति ने सामाजिक व्यवहार भी बदला है। पहले संवाद आमने-सामने होता था, अब स्क्रीन के जरिए होता है। इससे भावनाओं की गहराई कम होती है। इमोजी ने भावनात्मक अभिव्यक्ति की जगह ले ली है। धैर्य और सुनने की आदत घट रही है। तुरंत प्रतिक्रिया देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यह बदलाव सामाजिक सौहार्द पर असर डाल सकता है।

शिक्षा : अंकों के युग में इंसान की तलाश !

सुबह का समय है। सड़क पर एक स्कूल बस धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। भीतर बैठे बच्चे भारी बैग के साथ खिड़की से बाहर झांक रहे हैं। कुछ बच्चे बस स्टॉप पर खड़े हैं—आँखों में आधी नींद, चेहरे पर तनाव और मन में टेस्ट, असाइनमेंट और रिज़ल्ट का दबाव। उन्हें यह तो पता है कि “पीछे नहीं रहना है”, लेकिन यह दौड़ किस दिशा में जा रही है, इसका स्पष्ट जवाब किसी ने उन्हें नहीं दिया। यह केवल रोज़ का दृश्य नहीं, बल्कि हमारे शिक्षा मॉडल का आईना है। हम कहते हैं कि हम बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं, पर सच यह है कि हमने उनसे यह पूछना कम कर दिया है कि वे क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं, और किस बात से खुश होते हैं। हमने बस एक सवाल बचा रखा है—“कितने अंक आए?”

शिक्षा का मूल उद्देश्य इंसान गढ़ना था—जिज्ञासु, संवेदनशील, जिम्मेदार और विवेकशील इंसान। लेकिन धीरे-धीरे शिक्षा एक करियर फैक्ट्री में बदलती जा रही है। आज शिक्षा एक उत्पादन लाइन जैसी दिखती है—बच्चा कच्चा माल है, परीक्षा प्रोसेसिंग यूनिट है, और अंक तैयार उत्पाद। इस पूरी प्रक्रिया में वह बच्चा खो जाता है जो सवाल पूछता था, जो चीज़ों को महसूस करता था, जो दूसरों के दुख से बेचैन हो जाता था। स्कूल और कॉलेज सिखाते हैं कि आगे कैसे निकलना है, पर यह कम सिखाते हैं कि गिरते हुए को कैसे संभालना है और खुद गिरने पर कैसे उठना है।

कभी शिक्षा जीवन से निकलती थी। किसान का बेटा खेत से सीखता था, कारीगर का बच्चा हुनर से ज्ञान पाता था, और शिक्षक अनुभव से पाठ पढ़ाता था। ज्ञान का रिश्ता जीवन से था। आज ज्ञान का बड़ा हिस्सा किताबों में बंद है और किताबें अंकों में कैद हैं। विद्यार्थी बहुत कुछ याद करता है, पर कम समझता है। वह परीक्षा पास कर लेता है, पर जीवन की परीक्षा के सामने अक्सर असहाय दिखाई देता है। जानकारी बढ़ी है, पर समझ सिकुड़ी है।

विद्यालय, जो कभी सीखने और व्यक्तित्व निर्माण के केंद्र थे, अब कई जगह सुव्यवस्थित बाज़ार का रूप लेते जा रहे हैं। ज़ोर इस बात पर है कि सिलेबस समय पर पूरा हो जाए—चाहे बच्चे समझें या नहीं। पढ़ाना एक जीवंत प्रक्रिया के बजाय टाइम-टेबल में फिट किया गया काम बन गया है। स्कूलों के नाम के साथ “ग्लोबल”, “इंटरनेशनल”, “वर्ल्ड क्लास” जैसे शब्द जोड़ दिए जाते हैं, मानो शिक्षा नहीं, कोई ब्रांडेड उत्पाद बेचा जा रहा हो। बड़े विज्ञापन, चमकदार ब्रोशर और ऊँची फीस—इन सबके ज़रिये यह विश्वास पैदा किया जाता है कि महँगी शिक्षा ही अच्छी शिक्षा है।

लेकिन अंदर जाकर देखने पर अक्सर वही रटने

वाली पद्धति, वही परीक्षा-केंद्रित सोच और वही अंक-प्रधान मूल्यांकन दिखाई देता है। किताबों से लेकर यूनिफॉर्म, बैग और जूतों तक—सब कुछ स्कूल से खरीदने की अनिवार्यता—शिक्षा को उपभोक्ता मॉडल में बदल देती है। अभिभावक धीरे-धीरे यह मानने लगते हैं कि अच्छी शिक्षा का मतलब अधिक खर्च है। इस दौड़ में शिक्षा का मानवीय पक्ष पीछे छूट जाता है।

इस व्यवस्था का सबसे भारी बोझ बच्चों पर पड़ता है। अंक अब केवल मूल्यांकन का माध्यम नहीं रहे, बल्कि आत्म-मूल्य का पैमाना बन गए हैं। कम अंक आने का मतलब “कमज़ोर” ठहराया जाना है। कई रिपोर्टों और आंकड़ों में समय-समय पर यह सामने आता रहा है कि परीक्षा में असफलता या अपेक्षित अंक न आने के कारण अनेक छात्र गंभीर मानसिक दबाव में आ जाते हैं, कुछ आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। ये केवल आंकड़े नहीं, अधूरे संवाद और टूटे विश्वास की कहानियाँ हैं।

सबसे दुखद बात यह है कि बच्चों को यह ठीक से समझाया ही नहीं जाता कि अंक किसी की पूरी क्षमता का प्रमाण नहीं होते। वे सिर्फ कुछ घंटों की परीक्षा में दिए गए उत्तरों का परिणाम होते हैं। कोई छात्र गणित में कम अंक ला सकता है, पर उसकी तार्किक सोच गहरी हो सकती है। कोई भाषा में औसत हो सकता है, पर उसके भीतर अद्‌त रचनात्मकता और संवेदना हो सकती है। कोई खेल, कला, संगीत या नेतृत्व में आगे हो सकता है—पर मार्कशीट इन गुणों को नहीं मापती।

फिर भी समाज, स्कूल और कई बार अभिभावक भी अंक को अंतिम सत्य मान लेते हैं। हम बच्चों को यह सिखाने में चूक गए हैं कि असफलता अंत नहीं, सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है। परीक्षा एक पड़ाव है, मंज़िल नहीं। जब शिक्षा अंक को जीवन से बड़ा बना देती है, तब जीवन हारने वालों की संख्या बढ़ने लगती है।

यह केवल शिक्षा व्यवस्था की कमी नहीं, हमारी सामूहिक चुप्पी का परिणाम भी है। हम जानते हैं कि दबाव बढ़ रहा है, फिर भी इसे “मोटिवेशन” कहकर स्वीकार कर लेते हैं। माता-पिता बच्चे की आँखों का डर पढ़ लेते हैं, पर कहते हैं—“थोड़ा दबाव जरूरी है।” उसकी थकान को पहचानते हैं, पर समझाते हैं—“सबको सहना पड़ता है।” हम भूल जाते हैं कि हर बच्चा एक सपना लेकर पैदा होता है, रिज़्यूमे लेकर नहीं।

तकनीक ने शिक्षा को तेज बना दिया है। ऑनलाइन क्लास, रिकॉर्डेड लेक्चर, डिजिटल नोट्स, इंस्टेंट सर्टिफिकेट—सब उपलब्ध है। जानकारी तक पहुंच आसान हुई है। लेकिन इस तेजी में ठहराव खो गया है। वह ठहराव, जिसमें छात्र सोच सके, सवाल कर सके, अपने भीतर झांक सके। सूचना बहुत है, पर आत्मचिंतन कम है। गूगल उत्तर दे देता है, पर जिज्ञासा पैदा नहीं करता।

शिक्षा का एक बड़ा उद्देश्य समाज को बेहतर बनाना होता है। पर जब वही शिक्षा संवेदनशीलता की जगह आक्रोश, संवाद की जगह शोर और विचार की जगह नारे पैदा करने लगे, तो आत्ममंथन जरूरी हो जाता है। हम ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो बोलना जानती है, सुनना कम जानती है; प्रतिक्रिया देना जानती है, समझना कम जानती है। डिग्री है, पर दृष्टि कमजोर है।

आज हम अक्सर देखते हैं—उच्च शिक्षित लोग भी अफवाहों पर विश्वास कर लेते हैं, नफरत भरी भाषा को सही ठहराते हैं, भीड़ मानसिकता का हिस्सा बन जाते हैं। तब सवाल उठता है—क्या यह अशिक्षा है? नहीं, यह उस शिक्षा की विफलता है जिसने इंसान बनाने का लक्ष्य पीछे छोड़ दिया।

जरूरत इस बात की है कि शिक्षा को फिर से मानवीय बनाया जाए। पाठ्यक्रम को केवल जानकारी का संग्रह नहीं, जीवन से जुड़ा दस्तावेज बनाया जाए। बच्चों को केवल उत्तर याद करने नहीं, प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया जाए। कक्षा में डर नहीं, संवाद का माहौल हो। शिक्षक केवल अध्यापक नहीं, मार्गदर्शक और सहयात्री बनें।

मूल्य शिक्षा, भावनात्मक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना होगा। बच्चों को सहानुभूति, सहयोग, विविधता का सम्मान और असहमति में संवाद सिखाना होगा। कला, खेल, साहित्य और सामुदायिक कार्य को “एक्स्ट्रा” नहीं, शिक्षा का जरूरी हिस्सा माना जाए।

मूल्यांकन पद्धति में भी बदलाव जरूरी है। केवल एक अंतिम परीक्षा से किसी की योग्यता तय न हो। सतत मूल्यांकन, प्रोजेक्ट आधारित सीख, व्यवहार और रचनात्मकता को भी महत्व मिले। अगर बच्चा सवाल पूछता है, नई सोच रखता है, टीम में काम करता है—तो यह भी उपलब्धि मानी जाए।

हमें अंतर्राष्ट्रीय सांप्रदायिक शक्तियों की साज़िशों को समझना होगा - हाफ़िज़ मंज़ूर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जमीयत उलेमा-ए-हिंद राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष हाफ़िज़ मंज़ूर अली ख़ान ने कहा कि मुसलमानों के इत्तेहाद को कमज़ोर करने के लिए पूरी दुनिया की सांप्रदायिक ताक़तें एकजुट हो गई हैं और जब ईरान अमेरिका और इज़रायल की आंख से आंख मिलाकर उनकी धमकियों का जवाब दे रहा है और विश्व के सुन्नी मुसलमान और कई मुस्लिम हुकूमतें उनका समर्थन कर रही हैं तो अब यह सांप्रदायिक ताक़तें मुसलमानों के इत्तेहाद को तोड़ने के लिए शिया सुन्नी को आपस में एक दूसरे के ख़िलाफ़ करने की कोशिशें कर रही हैं जिसकी एक मिसाल पाकिस्तान में जुमे की नमाज़ में एक धमाके के ज़रिए तक़रीबन तीस शिया मुसलमानों को शहीद करके हमारे सामने आई है। मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि ऐसी घटनाएं अब शिया सुन्नी के आपसी इख़तिलाफ की वजह से नहीं हो रही हैं बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय साज़िशों का हिस्सा हैं जिन्हें सांप्रदायिक शक्तियों के एजेंट्स के ज़रिए अंजाम दिया जा रहा है। हमें मिलकर ऐसे हादसात की पुरज़ोर मज़म्मत करनी चाहिए, इसके साथ ही अपने इत्तेहाद को और ज़्यादा मज़बूत करने की कोशिशें करनी चाहिए ताकि दुश्मनाने इस्लाम के मंसूबों को नाकाम बनाया जा सके। इसके साथ ही हमें विश्व के सभी देशों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए भी आवाज़ उठानी चाहिए चाहे वो बांग्लादेश या पाकिस्तान में हिंदुओं के लिए हों, चाहे वो भारत में मुस्लिम, ईसाई, सिख और पिछड़े समुदायों के लिए हो। उन्होंने कहा कि इन दिनों भारतीय उपमहाद्वीप में सामाजिक असहिष्णुता बहुत तेज़ी के साथ बढ़ रही है पिछले कुछ अरसे से भारत के विभिन्न हिस्सों में ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोग सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने में व्यस्त हैं जिसका ताज़ा उदाहरण असम व उत्तराखंड में देखने को मिल रहा है। पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी सांप्रदायिक घटनाएं सामने आ रही हैं। इस प्रकार की घटनाएं मानवता को शर्मसार करने वाली हैं। हमें नफ़रत को ख़त्म करके भाईचारा बढ़ाने और समाज व देश की तरक़्क़ी के लिए मिलजुल कर प्रयास करने चाहिए। हम मुस्लिम समुदाय से विशेष अपील करते हैं कि इस्लाम का मतलब सलामती है अतः जो समाज सलामती का अलमबरदार हो उसको यह शोभा नहीं देता कि उसकी आंखों के सामने मानवता का ख़ून होता रहे और वह ख़ामोश तमाशाई बना रहे। मुस्लिम समाज की ज़िम्मेदारी है कि वह ज़ुल्म के ख़िलाफ़ उठ खड़ा हो और दुनिया में जहां कहीं भी ज़ुल्म हो रहा हो उसके ख़ात्मे की कोशिश करे।

आइडियल पब्लिक स्कूल में मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । शेख सैयद पठान अनारक्षित मुस्लिम समाज समिति के तत्वावधान में रविवार को आइडियल पब्लिक स्कूल, लंकापुरी, शास्त्री नगर, जयपुर में गेट-टुगेदर (मिलन समारोह) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मो. इमरान शेख ने कुरान करीम की तिलावत से की, जबकि सदारत प्रदेश अध्यक्ष हाजी शेख शराफत हुसैन ने की। इस मौके पर चयनित पदाधिकारियों का इस्तक़बाल किया गया। बैठक में अहम फैसले लिए गए, जिनमें बोर्ड एग्जाम के बाद प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करना, समाज में व्याप्त कुरीतियों व गलत रिवाजों को खत्म करने तथा सदस्यता अभियान को तेज़ करने का संकल्प शामिल है। करीब 15 साथियों ने तंजीम की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। कई साथियों ने साल में एक बार इज्तेमाई शादी और एक वार्षिक मिलन समारोह आयोजित करने का सुझाव दिया, जिसकी प्रदेश महासचिव जाहिद अली ने सराहना की। उन्होंने सभी साथियों से अहद लिया कि कौम-ओ-मिल्लत की फिक्र के साथ तंजीम को नई बुलंदियों तक पहुंचाया जाएगा।

मेडिकल सर्विस सोसायटी की ओर से रक्तदान शिविर व नशा मुक्ति शिविर आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मेडिकल सर्विस सोसायटी ऑफ राजस्थान जयपुर की जानिब से रविवार 08 फरवरी को समय सुबह 10 बजे से 3 बजे मोती कटला डिस्पेंसरी सिलावटान, रामगंज, जयपुर पर इस साल का चौथा रक्तदान शिविर व नशा मुक्ति शिविर लगाया गया।

शिविर में खान अब्दुल वसी प्रदेश अध्यक्ष एमएसएस, डॉ. साजिद हुसैन जैदी जिला अध्यक्ष, शाहनूर साबरी संयुक्त सचिव एमएसएस, डॉ. अनीस अलवी कंट्रोलर राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज जयपुर, डॉ. शफ़ीक़ नकवी राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज, डॉ. सफवान अहमद राजस्थान यूनानी मेडिकल कॉलेज जयपुर, लायक़ हसन वर्क, आफाक नकवी, डॉ. महमूद सलीम राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज जयपुर, वकार अहमद वेलफेयर पार्टी, सलाम खान साहब, मुहम्मद फैजान, डॉ. राहिल सऔर अन्य ज़िम्मेदार मौजूद रहे। संस्था के साथ जमाअते-इस्लामी हिंद, राजपूताना यूनानी मेडिकल कॉलेज, हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन, स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन, राजस्थान शिया मुस्लिम महासभा, वेलफेयर पार्टी, हज वेलफेयर सोसायटी, मूमल डेंटल हॉस्पिटल, ए एम पी, ब्राइट केरियर एजुकेशनल एवं वेलफेयर सोसायटी संगठनों का सहयोग रहा । रक्तदान शिविर में कुल 30 यूनिट ब्लड कलक्ट हुआ है और नशे की लत से परेशान 10 लोग शिविर में आए और डॉ. साजिद जैदी (होमियोपैथी) व डॉ. महमूद सलीम यूनानी ने उनकी काउंसलिंग की व निःशुल्क दवाइयाँ दी गई।

शेख हसीना को बांग्लादेश की कोर्ट ने 10 साल की सुनाई सजा

-भ्रष्टाचार से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। बांग्लादेश की एक विशेष अदालत ने सोमवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के दो अलग-अलग मामलों में 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला राजधानी ढाका के बाहरी इलाके पूर्वाचल में 'राजुक न्यू टाउन प्रोजेक्ट' के तहत सरकारी आवासीय भूखंडों (प्लाट्स) के आवंटन में अनियमितताओं से जुड़ा है। अदालत ने पाया कि 79 वर्षीय हसीना ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए अपने रिश्तेदारों को अवैध रूप से जमीन आवंटित की थी।

शेख हसीना को भ्रष्टाचार के दो मामलों में 10 साल की सजा:-

ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-4 के न्यायाधीश रबीउल आलम ने हसीना के साथ-साथ उनके करीबियों को भी सजा सुनाई। हसीना की भतीजी और ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक, उनके भाई रादवान मुजीब सिद्दीक 'बाबी' और बहन अजमान सिद्दीक को सात साल के सश्रम कारावास की सजा दी गई है। इस मामले में कुल 16 आरोपित थे, जिनमें से अधिकांश की अनुपस्थिति में सुनवाई हुई। अन्य दोषियों में पूर्व आवास मंत्री, पूर्व सचिव और राजुक के पूर्व अध्यक्ष शामिल हैं, जिन्हें 5-5 साल की जेल हुई है। केवल एक वरिष्ठ अधिकारी खुर्शीद आलम अदालत में मौजूद थे।

हसीना के रिश्तेदारों और अधिकारियों को भी मिली सजा:-

शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने इस फैसले को 'पूर्वानुमानित' बताते हुए इसे मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार द्वारा रचित 'झूठा और दुर्भावनापूर्ण' मामला करार दिया है। वहीं, ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक ने पूरी प्रक्रिया को 'हास्यास्पद' बताते हुए कहा कि उन्हें कोई आधिकारिक समन या चार्जशीट नहीं मिली और वे कानूनी विशेषज्ञों की सलाह ले रही हैं। पूर्व के कड़े फैसले अगस्त 2024 में तख्तापलट के बाद से हसीना भारत में निर्वासन में हैं। इससे पहले एक विशेष न्यायाधिकरण ने उन्हें 'मानवता के खिलाफ अपराध' के लिए मौत की सजा सुनाई थी। बीते वर्ष नवंबर में भी उन्हें एक अन्य भ्रष्टाचार मामले में 21 साल की जेल हो चुकी है।

नगर निगम ने एक दिन में वसूले 57 लाख 22 हजार रुपये

-झोटवाड़ा/वैशाली नगर जोन में कुर्की की बड़ी कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार जोन स्तर पर नगरीय विकास कर वसूलने के वृहद प्रयास किये जा रहे हैं। उपायुक्त झोटवाड़ा/वैषाली नगर जोन श्रीमती मनीषा यादव के नेतृत्व में गुरूवार को 6 सम्पत्तियों के नगरीय विकास कर बकाया होने पर कुर्की की कारवाई की गई जिसमें से 1 सम्पत्तिधारक द्वारा मौके पर ही राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में ब्याज पैनल्टी पर देय छूट का लाभ लेते हुए संपत्ति पर बकाया नगरीय विकास कर राशि निगम कोष में जमा करवाई गई। जिसके पश्चात् कुर्क की गई 6 सम्पत्तियों में से 1 सम्पत्तिधारक की सम्पत्ति कुर्क मुक्त कर दिया गया। उपायुक्त श्रीमती मनीषा यादव के नेतृत्व में राजस्व अधिकारी पारूल सोनी व टीम द्वारा रिषब भाद्रू, 200 फीट चैराहा, हीरापुरा अपो. गर्व स्कूल कमला बुधियां, मयूर गार्डन राषि 95 लाख 63 हजार 504, स्टार यूनिटी, 601 गौतम मार्ग एवरषाइन टावर वैषाली नगर राषि 80 हजार 821, यषवर्धन दुकिय, 60 नागौर नगर, बदरवास, राषि 2 लाख 94 हजार 335, प्रोपर्टी ऑनर, शॉप नं. 48 वैषाली नगर, अपोजिट ए ब्लॉक राषि 1 लाख 26 हजार 938, आषारानी आहूजा, शॉप नं. 48 वैषाली नगर अपोजिट टैगोर पब्लिक स्कूल राषि 1 लाख 30 हजार 573, प्रोपर्टी ऑनर, शॉप नं. 46 वैषाली नगर, अपोजिट ए ब्लॉक राषि 1 लाख 30 हजार 573 हैं। जिसमें से श्रीमती आषा रानी आहूजा व प्रोपटी ऑनर शॉप नं. 46 ने मौके पर नगरीय विकास कर की राषि निगम कोष में जमा करवाई। गुरूवार को झोटवाड़ा/वैषाली नगर जोन में नगरीय विकास कर व विज्ञापन शुल्क की कुल 57 लाख 22 हजार 523 रूपये की राजस्व वसूली की गई। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन से अपील की कि वे समय पर नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क जमा करवाये तथा जयपुर के विकास में भागीदार बने।

रॉयल ऑक्सफोर्ड सी. सैकेंडरी स्कूल में विदाई समारोह सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थानी कला व संस्कृति की थीम के आधार पर वार्षिक और विदाई समारोह का आयोजन गुलाबगढ़ जयपुर में किया गया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय परिसर के डायरेक्टर मोहम्मद अशहर ने सभी विद्यार्थियों को माल्यार्पण कर किया। विद्यार्थियों ने गुलाबगढ़ में राजस्थानी कला, राजस्थानी नृत्य – साहित्य के बारे मे ज्ञान प्राप्त किया । विद्यार्थियों के लिए विशेष 12वीं कक्षा के बाद के कैरियर ऑप्शन पर प्रकाश डाला गया और सभी अध्यापकगणों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों ने घुड़सवारी, ऊंट सवारी, खेल जैसे कई कार्यक्रमों में सक्रियता से भाग लिया और अपने वर्षभर के अनुभव को और यादगार बनाया । इसके साथ ही विद्यार्थियों में से "Mr. Farewell", "Ms. Farewell", "Best Personality", "Most Talented" जैसे मजेदार और प्रेरणादायक खिताबों के साथ विद्यार्थियों को नवाज़ा गया साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्मृति चिन्ह और गिफ्ट्स प्रदान किए गए। यह विदाई समारोह विद्यार्थियों के लिए न केवल एक अलविदा था, बल्कि एक नए सफर की शुरुआत का प्रतीक था। छात्रों ने स्कूल परिवार का धन्यवाद किया और वादा किया कि वे हमेशा "रॉयल ऑक्सफोर्डियन" रहेंगे। स्कूल प्रबंधन ने आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ब्राइट फ्लॉवर्स सैकेंडरी स्कूल में हेल्थ कैंप लगाया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। इस्लामिया एज्यूकेशनल सोसाइटी एनजीओ के ज़ेरे निगरानी में चलने वाले ब्राइट फ्लॉवर्स सैकेंडरी स्कूल और मदरसा ब्राइट फ्लावर्स स्कूल नाहरी का नाका शास्त्री नगर जयपुर में 05 फरवरी 2026 को हेल्थ कैंप लगाया गया जिसमें चाइल्ड स्पेस्लिस्ट डॉक्टरों द्वारा बच्चों का वेट व हाइट नोट कर जांच की गई एवं ENT वाले बच्चों को हॉस्पिटल बुला कर उनका सही तरीके से ट्रीटमेंट करने की बात कही।

डॉक्टरों द्वारा बच्चों को उनके स्वास्थ्य से संबंधित चीजों के बारे में भी काफी अच्छे तरीके से समझाया गया, जिसमें बच्चों ने भी अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। कैंप के अंत में सचिव अब्दुल मजीद द्वारा बताया गया कि उक्त एनजीओ द्वारा इस तरह के कैंप पहले भी लगाए गए हैं एवं आगे भी लगाए जाएंगे जिसमें बच्चों और बड़ों दोनों को उसका लाभ मिल सकेगा।

नन्हे कदमों ने सिखाया तालीम का मतलब

-वार्षिक दीनी जलसा, बच्चों और अभिभावकों की भागीदारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के शास्त्री नगर स्थित बाँधा बस्ती, नहारी का नाका में मुअज्ज़मा मस्जिद में जुमे के दिन शाम 7 से 11 बजे तक बच्चों का सालाना जलसा आयोजित हुआ, जिसमें 5 से 15 वर्ष के लड़के-लड़कियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने कलमा, नात, तक़रीर और कुरआन की तिलावत पेश की। कुछ बच्चों ने नमाज़ पढ़ने का सही तरीका बताया, तो कुछ ने वुज़ू के फ़र्ज़ समझाए। बच्चों ने पैग़म्बर मोहम्मद साहब की तालीमात को आसान भाषा में मंच से लोगों तक पहुँचाया। लड़कों के साथ-साथ लड़कियों ने भी मंच पर अपने हुनर और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। बच्चों ने दीनी तालीम के साथ-साथ दुनियावी तालीम के महत्व पर भी अपने विचार रखे, जिससे कार्यक्रम में मौजूद अवाम काफ़ी मुतास्सिर नज़र आई। बच्चों की बेहतरीन प्रस्तुतियों पर अवाम ने उनकी हौसलाअफ़ज़ाई की और उन्हें नकद इनाम दिए। इमाम साहब और आयोजकों द्वारा अव्वल आने वाले बच्चों को ट्रॉफी और उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद ख़ुसूसी मेहमानों ने बच्चों के अभिभावकों को नसीहत दी कि वे अपने बच्चों को दीनी के साथ-साथ दुनियावी तालीम भी ज़रूर दिलाएँ। उन्होंने कहा कि दुनियावी तालीम इंसान को दुनिया में जीने का तरीका सिखाती है, जबकि दीनी तालीम ज़िंदगी जीने का सलीक़ा देती है। इस आयोजन का मक़सद उन परिवारों तक तालीम का पैग़ाम पहुँचाना था, जो अब तक अपने बच्चों को पढ़ाई से दूर रखते हैं, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा बच्चे इल्म और शिक्षा की राह पर आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

अमृतपुरी में 'इस्तिकबाल-ए-माहे रमज़ान' इज्तिमा का आयोजन

-देश में अमन-चैन और भाईचारे की मांगी गई दुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के अमृतपुरी (घाटगेट) स्थित ख्वाजा नगर में बुधवार (5 फरवरी) को मदरसा गुलशन-ए-हुसैन और अंजुमन मुहिब्बाने अहलेबैत की ओर से एक दिवसीय 'तालीमी बेदारी व इस्तिकबाल-ए-माहे रमज़ान' इज्तिमा का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक जलसे में उलेमाओं ने शिरकत की और देश-प्रदेश में अमन, चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगीं।

गरीब नवाज का पैगाम इंसानियत और मोहब्बत:

इज्तिमा की सरपरस्ती मुफ्ती अब्दुस्सत्तार साहब रिज़वी ने की और निगरानी हाफिज मौलाना काज़ी वली मोहम्मद शेरी (खतीबो इमाम नूरानी मस्जिद) ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, अजमेर से आए हजरत मौलाना सैय्यद सुल्तान चिश्ती ने कहा कि "गरीब नवाज का पैगाम बुनियादी तौर पर इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारा है।" उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए कहा कि जो शख्स अपने बच्चे को नाजिराह कुरान-ए-करीम सिखाता है, उसके सबब अगले-पिछले गुनाह माफ कर दिए जाते हैं।

दीनी तालीम के साथ मॉडर्न एजुकेशन जरूरी:

पूर्व मदरसा बोर्ड चेयरमैन हजरत अल्लामा मौलाना मोहम्मद फज़्ले हक़ ने तालीम पर जोर देते हुए कहा कि बदलती दुनिया के साथ चलने के लिए दीनी तालीम के साथ-साथ मॉडर्न एजुकेशन (असरी तालीम) वक्त की अहम जरूरत है। यह तालीम कौम को इज्जत दिलाती है और गुरबत दूर करती है।

इन्होंने भी किया संबोधित:

बरेली से आए मौलाना सद्दाम हुसैन रिज़वी और मुंबई से आए मुफ्ती हैदर अली मदनी ने रमज़ान की फजीलत और कुरान की अजमत पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कुरान का मोजिज़ा है कि बड़े तो बड़े, बच्चे भी इसे सीने में महफूज कर लेते हैं।

छात्रों को मिले इनाम, गणमान्य रहे मौजूद:

कार्यक्रम के अंत में मौलाना सुल्तान चिश्ती के हाथों मेधावी छात्र-छात्राओं (तलबा व तालेबात) को इनाम तकसीम किए गए। इस मौके पर वार्ड नं. 88 के पार्षद रईस कुरैशी, मोहम्मद नईम खान, मोहम्मद फहीम खान, मोहम्मद शाहिद खान नेताजी, अमजद खान, हाजी हबीब हुसैन, मोहम्मद खालिदा, हाजी अब्दुल अजीज मंसूरी सहित अंजुमन के अराकीन मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सलातो-सलाम और खुसूसी दुआ के साथ हुआ।

हज सफर–2026 को लेकर तीन दिवसीय टीकाकरण शिविर का भव्य आयोजन किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर कर्बला स्थित हज हाउस में हज सफर–2026 को लेकर तीन दिवसीय टीकाकरण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। सुबह से ही हज हाउस में हाजियों और उनके परिजनों की भारी भीड़ देखने को मिली। मक्का–मदीना के पाक सफर से पहले ज़रूरी टीकाकरण के लिए, जयपुर और दौसा सहित प्रदेश भर से हाजी बड़ी संख्या में जयपुर के हज हाउस पहुंचे। राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष जावेद काग़ज़ी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी टीकाकरण के साथ-साथ तरबियती कैंप का आयोजन किया गया है। हज सफर–2026 का यह पहला टीकाकरण कैंप है, जिसका उद्देश्य हाजियों को पूरी तरह स्वस्थ और तैयार करना है। हज सफर से पहले यह टीकाकरण शिविर हाजियों के लिए सुरक्षा, सेहत और सुविधा की एक अहम कड़ी साबित हो रहा है। टीकाकरण व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए ख़ादिमुल हुज्जाज़ और वॉलिंटियर पूरे जोश के साथ हज हाउस में तैनात रहे। इस वर्ष जयपुर से 744 हाजी, जबकि प्रदेश भर से कुल 4572 हाजी मक्का और मदीना की मुक़द्दस ज़ियारत के लिए रवाना होंगे। हज यात्रियों की पहली उड़ान 20 अप्रैल 2026 को रवाना होगी, जबकि 5 जून से वतन वापसी का सिलसिला शुरू होगा।

अच्छी संगत इंसान को गुणातीत बना देती है -संत पं.प्रभुजी नागर

-धतूरिया में श्रीमद भागवत कथा के पंचम सोपान में भाव विभोर हुये हजारों भक्त

शब्बीर हुसैन

अंता (रॉयल पत्रिका) । बारां जिले के धतूरिया में श्रीमद भागवत कथा के पंचम सोपान में गौसेवक संत पं. प्रभुजी नागर ने कहा कि भोजन तपता है तो उसमे स्वाद आ जाता है। कपड़ा तपने से उसमें चमक आ जाती है। लोहा तपकर औजार और सोना तपकर आभूषण बन जाता है। इसी तरह भक्त जब भक्ति की विरह, व्यथा में तपता है तो वह भगवान का कृपा पात्र बन जाता है। उन्होंने कहा कि जब आग तपती है तो धोबी, लुहार, सुनार या हलवाई जेसे मध्यस्थ उसे कोई आकार दे देते हैं। इसी तरह, समर्थ गुरू परम चेतना जागृत कर भक्त के विकार व क्लेश को हर लेते हैं। जीवन में जो तपता है, पिघलता है वही ढलकर कुछ बनता है। सुखमय जीवन किसी को नहीं मिलता है, मार्ग में कष्ट सबको आते हैं। भारत में कई महापुरूष कष्ट में चेतना जागृत कर मूर्ति बन गये। भक्ति में इतने प्रबल हो जाओ कि गुरू-गोविंद दोनों आपको याद करते रहें। मधुर भजन 'जहां सत्संग होता है, वहां भगवान आते हैं, सुनाते हुये संत नागरजी ने कहा कि संगत मनुष्य को गुणातीत बना देती है। अच्छी-बुरी संगत से ही गुण आते-जाते रहते हैं। कथा सत्संग में आने से भक्ति का रंग चढ़ता है। जब कोई व्यथा आये तो बोल देना मैं हरि कथा में यानि द्वारिकाधीश की शरण में हूं। कथा सुनने के लिये बड़े से बड़ा नियम भी तोड़ा जा सकता है। इसमें भक्त और भगवान का मिलन होता है। जो सजग व सावधान करते रहें, उनके संग रहो। पं.नागरजी ने कहा कि कलियुग में जहां सम्पत्ति बांटी जाती हैं वहा महाभारत होती है। लेकिन जहां प्रेम बंटता हो वहां रामायण होती है। आप भक्ति में डूबकर ईश्वर को हमेशा अपने पास ही मानें। शहरों में गौ ग्रास वाहन चलायें - गौसेवक संत पं. नागरजी ने कहा कि हाटकेश्वर आश्रम, सेमलीधाम के माध्यम से मध्यप्रदेश की 200 गौशालाओं में से 125 स्थानों पर प्रतिदिन गौ ग्रास वाहन चलाकर घर-घर से रोटी या खाद्य सामग्री ली जाती है। जिससे वहां की गौशाला में गोवंश को भोजन मिल रहा है। बारां में भी गौ ग्रास वाहन चालू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि बारां जिले में गौशालाओं के साथ पशु-पक्षी अस्पताल खोल देने से तीन वर्षो में 1.30 लाख जीव-जंतुओं के निशुल्क ऑपरेशन किये जा चुके हैं। जीव दया के लिये विधायक प्रमोद जैन भाया द्वारा किये जा रहे प्रयासों को उन्होंने अनुकरणीय बताया।

बींझबायला में नया सीएचसी भवन सवालों के घेरे में

-4.76 करोड़ की लागत से बने भवन में निर्माण गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल
-ग्रामीणों की मांग—जांच के बिना हैंडओवर न हो भवन

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका) । बींझबायला में 4 करोड़ 76 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवन को जनता को समर्पित करने की तैयारियां चल रही हैं । लेकिन इससे पहले ही निर्माण गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों रुपये के इस जनहित कार्य में निर्माण एजेंसी और मेडिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा लापरवाही बरती गई है। उल्लेखनीय है कि यह सीएचसी फरसेवाला, हरखेवाला, 54 एलएनपी, 36 एलएनपी, घमुड़वाली, मांझूवास, नरसिंहपुरा सहित दर्जनों गांवों की लगभग 40 हजार आबादी को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। वर्तमान में यहां प्रति दिन 250 से 300 मरीजों की ओपीडी चल रही है। पुराने भवन में पर्याप्त वार्ड, जांच सुविधाएं और चिकित्सकों के लिए अलग कमरे नहीं होने के कारण लंबे समय से नए भवन की मांग थी।

आधुनिक सुविधाओं का वादा, लेकिन गुणवत्ता पर सवाल:-

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत मावड़ियां मंदिर के समीप चिकित्सा विभाग की खाली भूमि पर सीएचसी भवन का निर्माण कराया गया। यह डबल स्टोरी भवन ओपीडी, जनरल वार्ड, पुरुष व महिला वार्ड, लेबर रूम, क्रिटिकल केयर यूनिट, ऑपरेशन थियेटर, लैब, आपातकालीन सेवा, दवा वितरण काउंटर और रिसेप्शन जैसी सुविधाओं से युक्त बताया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने भवन का निरीक्षण भी किया है और

इसे शीघ्र जनता को समर्पित करने की बात कही जा रही है। लेकिन इसी बीच ग्रामीणों द्वारा निर्माण में अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं कि भवन में बीम व कॉलम के कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की गई है। पानी, बिजली व लाइट फिटिंग का कार्य अनुबंध शर्तों के अनुसार नहीं किया गया। बाहर लगाए गए चौकों के नीचे सॉइल कंपैक्टर नहीं चलाया गया, जिससे भविष्य में फर्श बैठने और टूटने की आशंका है। शौचालयों की खिड़की-दरवाजे अनुबंध की शर्तों के अनुरूप नहीं हैं। पहली ही बारिश में नवनिर्मित फर्श के क्षतिग्रस्त होने की शिकायतें सामने आई हैं। जांच के बिना हैंडओवर पर सवाल-ग्रामीणों ने मेडिकल एवं इंजीनियरिंग विभाग पर सवाल उठाते हुए मांग की है कि जब जनता के पैसों से करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं, तो भवन को हैंडओवर करने से पहले इसकी तकनीकी और गुणवत्ता जांच क्यों नहीं कराई जा रही। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सभी निर्माण त्रुटियों का समाधान नहीं हो जाता, तब तक भवन को विभाग को सुपुर्द नहीं किया जाना चाहिए। जनता के पैसे की जवाबदेही जरूरी-ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। अब सवाल यह है कि क्या करोड़ों रुपये के इस सार्वजनिक निर्माण कार्य को जनता को सौंपने से पहले स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच नहीं होनी चाहिए? फिलहाल, ग्रामीणों के आरोपों ने सीएचसी भवन निर्माण की गुणवत्ता और मेडिकल इंजीनयरिंग विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष निम्बाडा महत्वपूर्ण ट्रेनिंग के लिए दिल्ली रवाना

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन अभियान के तहत इंदिरा भवन, कोटला मार्ग, नई दिल्ली में एक दिवसीय कांग्रेस जिलाध्यक्षों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा भी भाग लेंगे। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेतागण मौजूद रहेंगे। दिल्ली प्रवास के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा जिले की संगठनात्मक विषयों पर एवं आगामी पंचायतीराज व निकाय चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा करेंगे। राजस्थान कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान का टास्क पूरा होने के बाद अब पार्टी ने अगले चरण की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पूरी होते ही कांग्रेस अब उन्हें ट्रेनिंग के जरिए मैदान में उतारने की तैयारी में है। इसी कड़ी में 10 फरवरी को सभी नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया है, जहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद उन्हें प्रशिक्षण देंगे और नया सियासी टास्क सौंपेंगे। इस ट्रेनिंग का सीधा उद्देश्य यह है कि आगामी निकाय और पंचायती राज चुनावों में जिलाध्यक्षों को निर्णायक भूमिका और वास्तविक पावर दी जाए। टिकट वितरण से लेकर बूथ मैनेजमेंट और चुनावी रणनीति तक जिलाध्यक्षों की राय को अहम माना जाएगा। अंतिम सत्र में जिलाध्यक्षों से राहुल गांधी करेंगे संवाद- ट्रेनिंग के अंतिम सत्र में राहुल गांधी जिला अध्यक्षों से संवाद करेंगे और उन्हें संगठन व राजनीति के गुर सिखाएंगे। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल भी मौजूद रहेंगे। ट्रेनिंग में तकनीक और आईटी पर खास फोकस रहेगा। पार्टी के वॉर रूम चेयरमैन सेंथिल जिला अध्यक्षों को एप संचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया मैनेजमेंट का प्रशिक्षण देंगे। इसके अलावा प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

एडवोकेट इंसाफ अली आजाद दी बार एसोसिएशन वक्फ कोटा के जिला संयोजक नियुक्त

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। दी बार एसोसिएशन वक्फ, जयपुर की ओर से वक्फ संपत्तियों के संरक्षण एवं वक्फ मामलों में समन्वय एवं कानूनी पैरवी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर नियुक्तियां की गई है। इसी क्रम में एडवोकेट इंसाफ अली आजाद को कोटा जिले के लिए जिला वक्फ बार एसोसिएशन का जिला संयोजक मनोनीत किया गया है। उनकी नियुक्ति से कोटा जिले में वक्फ अधिकरण, सिविल न्यायालयों एवं संबंधित न्यायिक व प्रशासनिक प्राधिकरणों के समक्ष वक्फ मामलों की प्रभावी पैरवी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के अध्यक्ष अब्दुल वाहिद नकवी एवं महासचिव मोहम्मद असलम खान ने बताया कि संस्था द्वारा प्रदेशभर में वक्फ संपत्तियों की कानूनी सुरक्षा, अभिलेखों के संरक्षण एवं वक्फ हितों की रक्षा की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि एडवोकेट इंसाफ अली आजाद अपने विधिक अनुभव, निष्ठा, एवं कार्य कुशलता से संगठन के उद्देश्यों को साकार करेंगे। उनकी नियुक्ति पर अधिवक्ता समाज, वक्फ संरक्षण से जुड़े संगठनों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

कांग्रेस अल्पसंख्यक ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह का जयपुर में सम्मान

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब, जयपुर में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग द्वारा नव-नियुक्त भीलवाड़ा ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह का भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष सुनील शर्मा एवं प्रदेश महासचिव आर.सी. चौधरी ने उन्हें शाल ओढ़ाकर, सूत की माला पहनाकर तथा मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान 16 फरवरी 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाले "पैग़ाम-ए-मोहब्बत सद्भावना सम्मेलन" की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने तथा सोशल मीडिया के सकारात्मक और प्रभावी उपयोग जैसे अहम विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार ने कहा कि कांग्रेस संगठन की असली ताकत जिला स्तर पर कार्य करने वाले पदाधिकारियों से ही बनती है। उन्होंने सभी नव-नियुक्त जिला अध्यक्षों से पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने और कांग्रेस के हाथ मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जयपुर (शहर) कांग्रेस कमेटी के नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा एवं प्रदेश महासचिव आर.सी. चौधरी ने कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल और श्रीमती इंदिरा गांधी के विचारों से प्रेरणा लेकर संगठन को आगे बढ़ाने की बात कही।बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजकुमार शर्मा सहित राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के सभी 50 नव-नियुक्त जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र में पार्टी की विचारधारा, नीतियों, जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी नव-नियुक्त जिला अध्यक्षों को शाल, सूत की माला एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया गया।

रॉयल पत्रिका की खबर का असर, हिंडौन सिटी प्रशासन आया हरकत में

हनीस शेख, कुतकपुर

हिंडौन सिटी। रॉयल पत्रिका में आमजन की गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद अब हिंडौन सिटी प्रशासन हरकत में आ गया है। शहर में लंबे समय से सीवरेज चेंबरों की बदहाल स्थिति से लोग परेशान थे, जिसे रॉयल पत्रिका द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। खबर के प्रसारण के बाद प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभाग को मौके पर भेजा और समस्या के समाधान की प्रक्रिया शुरू की। खुले व टूटे पड़े सीवरेज चेंबर, जो दुर्घटनाओं को न्यौता दे रहे थे, उन पर सुधार कार्य की तैयारी की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे काफी समय से इस समस्या को लेकर आवाज उठा रहे थे, लेकिन रॉयल पत्रिका में खबर सामने आने के बाद ही प्रशासन ने गंभीरता दिखाई। लोगों ने उम्मीद जताई है कि अब इस समस्या का स्थायी समाधान होगा और भविष्य में इस तरह की लापरवाही नहीं दोहराई जाएगी। रॉयल पत्रिका द्वारा जनहित के मुद्दों को लगातार मजबूती से उठाने का यह एक और उदाहरण है, जिससे साफ है कि सशक्त पत्रकारिता आमजन की आवाज बनकर प्रशासन तक असर डाल रही है।

दहेज रूपी बुराई को त्यागने से ही समाज का विकास - शाह महवा

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका) । शाह फकीर समाज की कावंटीया सर्किल स्पाईक किंग जयपुर में बैठक आयोजित हुई, जिसमें दहेज प्रथा के खिलाफ जमकर आवाज उठाई गई। बैठक में कौम को बेहतर शिक्षा, समाज के लिए हॉस्टल बनाने की पुरजोर मांग की गई। बैठक की अध्यक्षता हाजी युसूफ शाह खिरनी सवाई माधोपुर ने की। बैठक में दौसा जिले से पहुंचे एपीएस टीम के प्रमुख एफ आर शाह महुआ ने दहेज का पुरजोर विरोध किया। इसे समाज के लिए एक बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा न केवल महिलाओं के अधिकारों का हनन है, बल्कि यह समाज के लिए भी एक बड़ा खतरा है। शाह ने कहा कि दहेज प्रथा के कारण कई परिवारों को आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान होना पड़ता है। इसे दहेज प्रथा को कानूनी तौर पर करने, दहेज लेने एवं देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कराने, तथा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। इस बुराई को त्यागने से ही समाज का विकास संभव है। शाह ने कहा कि समाज में दहेज प्रथा के खिलाफ जागरूकता पैदा होनी चाहिए। इसके लिए समाज के विभिन्न वर्गों में जागरूकता अभियान चलाने, स्कूलों और कॉलेजों में दहेज प्रथा के खिलाफ संगोष्ठियों का आयोजन, मीडिया के माध्यम से दहेज प्रथा के खिलाफ प्रचार किया जाए, दहेज प्रथा के खिलाफ एकजुट होने, दहेज लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कराने की पुरजोर मांग की। इस मौके पर जहां वेल्फेयर सोसाइटी के अध्यक्ष फारूख शाह एवं टीम सहित उपस्थित लोगों ने शाह का अभिनंदन किया। इस मौके पर शहजाद लूनियावास, एडवोकेट इकरामुद्दीन खिलजी, मास्टर ईस्माइल, बाबुद्दीन भाई नागौर, शाहिद भाई, हनीफ भाई, मोइनुद्दीन आमेर, हबीब भाई ताज, मोहम्मद अली अजमेर, इनायत, अकरम, इस्लाम, जमालूदीन अलवर आदि मौजूद थे। मंच संचालन रमजान भांडारेज ने किया।

ग्राम उत्थान शिविरों से लाभान्वित हुए ग्रामीण, जताया आभार

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से जिले में आयोजित ग्राम उत्थान शिविरों से अनेक ग्रामीण लाभान्वित किये गये। जिले के गिरदावर सर्किल में 23 जनवरी से ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन प्रारम्भ है। इन शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित संबंधित विभागों की सहभागिता से कृषकों एवं पशुपालकों सहित ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभान्वित किया गया। जिला कलक्टर डॉ. मंजू के निर्देशन में शिविर सफलतापूर्वक संचालित हुए। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक सुरजीत कुमार के अनुसार अभी तक जिले में आयोजित शिविरों में 2898 किसानों को कृषि विभाग की तारबंदी के आवेदनों के वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। इसी तरह 4418 किसानों को डिग्गी के आवेदनों की वर्तमान स्थिति की जानकारी, 795 को पाईप लाईन, 16741 को फसल बीमा योजना, 205 को बैलों से खेती योजना अंतर्गत प्रोत्साहन राशि के आवेदनों की वर्तमान स्थिति की जानकारी, 20501 को समर्थन मूल्य की जानकारी, 23686 को कृषि योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी विभाग द्वारा फव्वारा, ड्रिप, प्लास्टिक मल्च इत्यादि योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषि विपणन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना की जानकारी दी गई। सहकारिता विभाग द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि, गैर कृषि 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना, नए कस्टम हायरिंग सैटर के आवेदन तैयार करवाने की जानकारी दी गई। पशुपालन विभाग द्वारा 36179 पशुओं को प्राथमिक चिकित्सा करते हुए कृमिनाशक औषधि पिलाई। उन्होंने बताया कि फीवर रोग टीकाकरण, 219 पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान व 1553 फर्टीलिटी किट का भी वितरण किया गया। गौशाला विकास योजना की जानकारी दी गई। मत्स्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का प्रचार-प्रसार किया गया। ऊर्जा विभाग द्वारा पीएम सूर्यघर योजनान्तर्गत पंजीकरण व इसके साथ-साथ राजस्व विभाग ने 265 फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण किया गया। ऊर्जा विभाग द्वारा पीएम सूर्य घर योजना अंतर्गत 1419 पंजीकरण, 40333 किसानों को वीबी-जीरामजी की जानकारी, 3518 में स्वामित्व कार्ड वितरण, नहरों व खालों की मरम्मत की आवश्यकताओं के 239 प्रकरणों का चिन्हिकरण, युवा स्वरोजगार योजना हेतु 289 आवेदन तैयार करवाये गये।

यूजीसी के समर्थन में एसटी, एससी, ओबीसी महासंघ ने दिया ज्ञापन

भरतपुर (रॉयल पत्रिका) । जिला कलेक्टर के मार्फत महामहिम राष्ट्रपति महोदया को ज्ञापन के माध्यम से एसटी, एससी, ओबीसी के छात्रों के साथ कॉलेज शिक्षा में हो रहे भेदभाव तथा उत्पीड़न को लेकर केन्द्र सरकार द्वारा बनाए यूजीसी बिल को लागू किए जाने की मांग रखी गई । इस मौके पर महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राम गोपाल चौधरी, धम्माचारी श्रवणवीर, सुभाष कुंतल, चतर सिंह सैनी, कुंवरपाल सैन, लक्ष्मण सिंह, बृजलाल करन सिंह मलाह , सूरज सिंह फौजदार, कमल सिंह, भीम सिंह कर्दम, कैलाश सरवान, जगवीर सिंह मलाह मौजूद रहे और मांग पूरी न होने पर बड़े आंदोलन को तैयार रहने का आवाह्न महासंघ के द्वारा किया गया।

बेटियों की उड़ान: वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र मीणा ने किया सम्मानित

-पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में अम्बेडकर कक्ष का लोकार्पण

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका) । महवा उपखंड के पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को वार्षिकोत्सव,पुरस्कार वितरण,पूर्व विद्यार्थी मिलन, भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महवा के विधायक राजेंद्र मीना, अध्यक्ष मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश मीना, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता भगवान सहाय तिवाड़ी, विनीत बंसल सहित अन्य अतिथियों द्वारा किया गया।साथ ही विद्यालय में संविधान कक्ष का भी फीता काटकर उद्घाटन किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत गान से स्वागत किया। विधायक राजेंद्र मीना ने कहा कि विद्यालय की समस्त मूलभूत आवश्यकताओं को जल्द पूरा किया जावेगा। साथ ही विद्यालय परिसर की इंटरलॉकिंग कार्य, बंदरों से बचाव हेतु द्वितीय मंजिल के कक्षों पर लोहे का जाल व विद्यालय भवन की रंगाई-पुताई करने के लिए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए।विधायक ने प्रतिभावान छात्राओं, उत्कृष्ट कार्य पर विद्यालय कार्मिकों तथा भामाशाहों का माला व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय स्टाफ द्वारा सभी पधारे अतिथियों, दर्जनों प्रधानाचार्यो व गणमान्य नागरिकों का माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। प्रस्तुतियों पर अतिथियों ने नगद पुरस्कार देकर छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। कक्षा 11वीं की छात्राओं ने कक्षा 12वीं की छात्राओं को तिलक लगाकर विदा किया। इस दौरान छात्राएं भावुक नजर आई। अंत में सीबीईओ कमलेश मीना ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन व्याख्याता उमेश सांवरिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी राजेश मीना, एसीबीईओ रामफल मीना, रामगोपाल मीना, टीकाराम स्कूल के प्रधानाचार्य चंद्रकांत शर्मा, भारत विकास परिषद के भारत मीना,गोपुत्र अवधेश अवस्थी, दिनेश बंसल, प्रधानाचार्यो में प्रमिला गुप्ता, रामगोपाल शर्मा, रामनिवास मीना, हेतराम मीना, गोपाल प्रसाद शर्मा,कृष्णा शर्मा, जगराम मीना, दिनेश मीना, भरतलाल मीना, रेखा मीना, शकुंतला मीना, श्वेता बंसल, चेतराम मीना, प्रहलाद मीना, मानसिंह मीना, गुजराती टेलर सहित सैंकड़ों छात्राएं व विद्यालय स्टाफ मौजूद था।

कथक नृत्य कार्यशाला एवं प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम आयोजित

बारां । भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से संचालित स्पीच मैके के अंतर्गत राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बारां में कथक नृत्य कार्यशाला एवं प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली की अंतर्राष्ट्रीय कथक नृत्यांगना प्रियंका शाह ने शिव वंदना सहित शुद्ध कथक की मनोहारी प्रस्तुति देकर विद्यार्थियों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय बवेजा ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं सांस्कृतिक चेतना के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

आरजू वाई ग्रुप द्वारा नए प्रतिष्ठान होटल लोबान का शुभारंभ

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भालेरी रोड, आपणी योजना के पास रविवार को आरजू वाई ग्रुप के द्वारा नई प्रतिष्ठान होटल लोबान का शुभारम्भ भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश मंत्री सीता राम लुगरीया मुख्य अतिथि द्वारा फिता काटकर किया गया। विशिष्ठ अतिथी भाजपा स्वच्छ भारत मिशन के जिला संयोजक भंवर गुर्जर, सैन समाज के राष्ट्रीय अध्यन सुरेश नाई बुटिया, करणी सिंह रायपुरीया, नबाब खा जोईया के आतिथ्य में कार्यकर्म हुआ। मुख्य अतिथि सीताराम लुगरिया ने कहा होटल लोबान में लजीज खाने की क्वालिटी मिलेगी और शहर में इस होटल का स्वादिष्ट खाने का लाजवाब स्वाद यहाँ मिलेगा। आये हुये अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। होटल के मैनेजिंग डायरेक्टर आरज़ू वाई ग्रुप के चेयरमैन जंगशेर खान पीतीसर ने कहा यह एक भव्य यादगार अवसर है जो नए व्यवसाय की शुरुआत और सफलता का प्रतीक है इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शहर वासियों को नए स्वाद और बेहतरीन आतिथ्य से मेहमान नवाजी के नए सफर एवं जश्न की शुरुआत है। इस मौके पर सजावट की गई और आए हुए सभी मेहमानों को जलपान कराया गया। उद्घाटन समारोह में आए हुए शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र से गणमान्यजन अकबर हुसेन, सबीर खाँ, नबाब खां, रमजान खां मलवाण, अल्ताफ पीतीसर, भगवान सिंह भाटी, जाफर खां, निजाम खां कालुसर, युसुफ खां कालुसर, बल्लूखा फोजी, मनोहर खां फोजी, युसुफ खां मीर, के. डी. चारण, निजामुद्दीन बहलीम, इमरान खान जोईया, हरीराम चावला शिवकुमार शर्मा, ओमप्रकाश मोल्यान, आसिफ टुकड़ा, रमजान खां जोईया, युसुफ खां चायल, आमिन खान आरजु वाई, यूनस खान आरजू वाई, इनायत खां चायल, धन्नु खां चायल, एडवोकेट शंकर सिंह सिंहमार, एडवोकेट चन्द्रमभान कोटवाद, आबिद चूरू, नाजम अली खां भुवाण, ताजु खां चायल, असलम पठान, सिराज खान जोईया, ईनायत खां भुवाण, नजीर खां, मोयल, युसूफ खा चोहान, नानु खां ठेकेदार, युसुफ़ खां सीकर, हाकम अली भुवाण, उमेद खां भुवाण, मुस्ताक खां कालुसर, जाफार खां लावण्डा, असगर खां राजपुरा, अयुब खां झारिया, रहिम आरजू वाई, करीम आरजू वाई, फरदीन आरजू वाई आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। सरपंच वसीम खान आरजू वाई ने आए हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

खेजड़ी बचाने को लेकर सांचौर में आंदोलन तेज

-बीकानेर महापड़ाव के समर्थन में सांचौर उपखण्ड मुख्यालय के बाहर धरना जारी

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । राज्य वृक्ष खेजड़ी सहित अन्य देसी वृक्ष की अंधाधुंध कटाई के विरोध में पर्यावरण संग्रह समिति सांचौर की ओर से आंदोलन तेज कर दिया है बीकानेर में पड़ाव के समर्थन में सांचौर में एसडीएम कार्यालय के सामने लगातार धरना जारी। आंदोलनकारी का कहना है कि वर्तमान कानून अपर्याप्त हैं गैर जमानती सजा और कड़े दंड प्रावधानों वाला नया टी एक्ट बनाया जाना जरूरी है। ज्ञापन में मांग की गई कि किसी भी परियोजना को स्वीकृति देने से पहले पेड़ों की गिनती कर जिओ ट्रैकिंग की जाए, ग्राम पंचायत, नगर पालिका या नगर परिषद से एनओसी अनिवार्य हो तथा प्रत्येक परियोजना में ग्रीन बेल्ट विकसित करना जरूरी किया जाए। साथ ही वन विभाग व पुलिस विभाग को स्पष्ट जिम्मेदारी देकर पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि कानून का प्रभावी क्रियान्ययन हो सके। समिति ने सांचौर एसडीएम के माध्यम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेज कर खेजड़ी,रोहिडा, जाल, कुमढ़ व फाग जैसे वृक्षों के संरक्षण के लिए अलग से कठोर और प्रभावित एक्ट बनाने की मांग की है। पर्यावरण प्रेमियों ने बताया कि राज्य में चल रहा है विभिन्न विकास प्रोजेक्ट के चलते लाखों हरे भरे पेड़ काटे जा चुके हैं। जिसमें जोधपुर, बीकानेर, नागौर और बाड़मेर, बालोतरा, फलोदी, जालौर जिलों में बड़ी संख्या में खेजडियों सहित अन्य देसी वृक्ष की कटाई हुई है जिसे पर्यावरण संतुलन बिगड़ता जा रहा है आंदोलनकारी ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कठोर कानून नहीं बनाया गया तो अनिश्चितकालीन धरना कार्मिक पेंशन और आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस दौरान नगर परिषद सभापति नरेश सेठ, अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा जालौर के जिला प्रधान सुरजन राम, सांचौर जिला प्रधान पुनाराम बिश्नोई, बार एसोसिएशन अध्यक्ष सदराम साहू, राजूराम बगड़वा,पूर्व अध्यक्ष भीमाराम चौधरी,संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष हरीश पुरोहित, व्यापार संघ के उपाध्यक्ष दलपत सिंह रणोदर, अमराराम माली स्मृति वन अध्यक्ष सहित हजारों की संख्या में खेजड़ी बचाने को लेकर लोगों का हुजूम मौजूद रहा।

मुफ्ती-ए-आज़म राजस्थान की सरपरस्ती में 38 आलिम विद्यार्थियों को इस्लामी डिग्रियों का वितरण

-सहीह बुखारी समापन एवं दस्तारबन्दी समारोह संपन्न

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। इस्लामी शिक्षा की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आध्यात्मिक इस्लामी शिक्षण संस्थान दारूल उलूम इस्हाकिया में हदीस के विश्वविख्यात एवं प्रमाणिक ग्रंथ सहीह बुख़ारी शरीफ़ के अध्ययन की समाप्ति के अवसर पर ख़त्म-ए-बुख़ारी, इस्लामी डिग्री वितरण एवं दस्तारबन्दी (पगड़ी-बंदी) समारोह का आयोजन श्रद्धा, अनुशासन एवं आध्यात्मिक वातावरण में किया गया। समारोह मुफ्ती-ए-आज़म राजस्थान हज़रत मौलाना शेर मोहम्मद रज़वी की सरपरस्ती में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दीनी शिक्षा पूर्ण करने वाले 38 योग्य आलिम विद्यार्थियों की दस्तारबन्दी कर उन्हें इस्लामी डिग्रियाँ प्रदान कर सम्मानित किया गया। दस्तारबन्दी को इस्लामी परंपरा में ज्ञान, जिम्मेदारी और नेतृत्व का प्रतीक माना जाता है। संस्थान के प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने बताया कि अपने उद्बोधन में मुफ्ती-ए-आज़म राजस्थान मौलाना शेर मोहम्मद रज़वी ने कहा कि ख़त्म-ए-बुख़ारी दीनी तालीम की सर्वोच्च मंज़िलों में से एक है। सहीह अल-बुख़ारी केवल हदीसों का संकलन नहीं, बल्कि सम्पूर्ण इस्लामी जीवन-पद्धति का मार्गदर्शक ग्रंथ है। इसके अध्ययन से विद्यार्थियों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, संयम, सेवा और मानवता के मूल्यों का विकास होता है। समारोह में उत्तर प्रदेश से सैयद कलीम अशरफी, मौलाना सईद अख्तर, मौलाना हासमी काशीपूरी, मौलाना सैयद नूर मियां; नागौर बासनी से मुफ्ती वली मोहम्मद व हाफ़िज़ अल्लाह बख़्श; राजस्थान मदरसा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन मौलाना फ़ज़ले हक़ सहित मौलाना उबैदुल्लाह हैदरी, मौलाना हनीफ़ शेरानी, मौलाना इलियास कुम्हारी, बीकानेर से मौलाना कासिल व मौलाना अबुबकर, बाड़मेर से मौलाना अय्यूब, मुफ्ती आलमगीर, क़ारी मोहम्मद इकराम एवं क़ारी अब्दुल वहीद ने अपने विचार व्यक्त किए। उलेमा-ए-किराम ने कहा कि दस्तारे-फ़ज़ीलत केवल सम्मान नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र एवं उम्मत के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हदीस-ए-नबवी के संदेशों को अपने ज्ञान, चरित्र एवं आचरण के माध्यम से समाज में सद्भाव, नैतिकता और भाईचारे के रूप में प्रस्तुत करें। समारोह के अंत में संस्थान के मौलाना बरकत अली अशरफी ने सभी अतिथियों, उलेमा, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उलेमा-ए-किराम, बुद्धिजीवी, समाजसेवी, अभिभावक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिससे आयोजन अत्यंत सफल एवं स्मरणीय बन गया।

वर्ल्ड कैंसर डे पर हस्ताक्षर अभियान और जागरूकता पोस्टर के जरिए लिया संकल्प

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी में 'हस्ताक्षर अभियान और पोस्टर प्रतियोगिता' का सफल आयोजन किया गया। इस बार वर्ल्ड कैंसर डे 2026 की थीम "यूनाइटेड बाय यूनिक" रही। इस सिग्नेचर कैंपेन में 400 से ज़्यादा स्टूडेंट्स, फैकल्टी मेंबर्स और स्टाफ ने कैंसर जागरूकता के लिए अपना सपोर्ट दिखाने के लिए इसमें हिस्सा लिया और साइन किए। डीन एकेडमिक प्रोफेसर डॉ. इमरान खान पठान ने कहा कि ऐसे कैंपेन कैंसर की रोकथाम, जल्दी पता लगाने और कैंसर मरीज़ों की मदद करने के बारे में जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाते हैं। स्टूडेंट्स ने कैंसर की रोकथाम और हेल्दी लाइफस्टाइल पर फोकस करते हुए जागरूकता पोस्टर भी पेश किए। फैकल्टी ऑफ फिजियोथेरेपी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. फरहाना सिद्दीकी, डॉ. समृद्धि सचदेव, डॉ. मुजफ्फर कुरैशी ने एक जागरूकता व्याख्यान भी दिया। पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोग्राम इंचार्ज सलमान खान ने हेल्दी लाइफस्टाइल, रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी और हेल्दी खाने की आदतों को अपनाने की अपील की। उन्होंने जंक फूड से बचने, तंबाकू छोड़ने और सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने स्टूडेंट्स से अपने परिवारों और समुदायों में हेल्थ एंबेसडर के तौर पर काम करने का भी आग्रह किया। प्रोग्राम का समापन असिस्टेंट प्रोफेसर शोएब अली के नेतृत्व में एक शपथ समारोह के साथ हुआ, जिसमें स्टूडेंट्स ने जागरूकता फैलाने और हेल्दी आदतों को अपनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ. राजकुमार माथुर, असिस्टेंट प्रोफेसर प्रहलाद बोहरा, डॉ. नूर हसन, डॉ. अहमद अब्दुल्ला खान, मारूफ शेख, मोहम्मद आमिर, रुइया जमाल, सुमैया, रशदा कुरैशी, डॉ. अब्दुल्ला खालिद, डॉ. अजीजुल हसन, डॉ. मरजीना सहित कई स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

रकमा की जिला इकाई द्वारा मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) की चुरू जिला ईकाई द्वारा सोमवार को माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम ज्ञापन अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती अर्पिता सोनी को सौंपकर मांग की है कि राजस्थान में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशासनिक कारण बताकर दुरस्थ स्थानों पर पदस्थापित/ स्थानान्तरण किया जा रहा है जो कि अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है। इस प्रकार से अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को परेशान ना करें। ज्ञापन देने वालों में रकमा जिला अध्यक्ष मोहम्मद नियाज खान पुर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, डॉ. कादिर हुसैन प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रकमा, मोहम्मद रमजान खान पुर्व जिला अध्यक्ष रकमा, अयुब खान वरिष्ठ विधी अधिकारी मेडिकल कॉलेज चुरू ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार समस्त राजस्थान में जिला कलेक्टर एवं तहसील स्तर पर एसडीओ के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मांग की गई है कि पिछले कुछ दिनों में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में प्रशासनिक कारण बताकर स्थानान्तरण/पदस्थापना की गई है जिस्म अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दुरस्थ स्थानों पर पदस्थापित किया गया है। इस तरह के स्थानांतरण में विधवा, परित्यकता, पुर्व सैनिक,पति-पत्नी की सर्विस, विकंलाग एवं राज्य स्तर पर पुरुस्कृत किये गये कार्मिकों एवं अधिकारियों को भी नहीं बख्शा गया है। जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में निराशा की भावना पैदा हो रही है। रकमा संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि राज्य सरकार को इस तरह से प्रताड़ित कार्मिको से प्रर्तिवदना लेकर राजधर्म का पालन करते हुए पुनर्विचार करते हुए इस तरह के स्थानांतरण/ पदस्थापना निरस्त करनी चाहिए या संशोधन करना चाहिए ताकि अल्पसंख्यक समुदाय में निराशा की बजाय आशा जागृत हो।

जिले के 15 यूनिट लीडर ने हासिल की हिमालय वुडबैज योग्यता

-यूनिट लीडर की सर्वोच योग्यता हासिल कर हुए तकनीकी दक्ष

-जिले की स्काउट गाइड प्रशिक्षण टीम होगी सशक्त और मजबूत

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय पाली के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि जिले के 10 स्काउट यूनिट लीडर एवं 05 गाइड यूनिट लीडर ने हिमालय वुडबैज कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण कर यूनिट लीडर की सर्वोच्च तकनीकी योग्यता प्राप्त की है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से जिले की स्काउट गाइड प्रशिक्षण टीम और अधिक सशक्त एवं मजबूत हुई है। सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंडल प्रशिक्षण केंद्र पुष्कर घाटी, अजमेर में 01 फरवरी से 07 फरवरी 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय हिमालय वुडबैज कोर्स में पाली जिले से रिकॉर्ड संख्या में सहभागिता हुई। इस सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में जिले के कुल 15 संभागियों ने भाग लिया तथा कठिन प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण कर यूनिट लीडर की सर्वोच्च तकनीकी दक्षता अर्जित की। स्काउट विभाग की ओर से महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खुडाला से कलाराम सोलंकी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजौवा से लकमाराम चौधरी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ठाकुरला से वजाराम राणा, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सापुनी से बस्तीराम, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोखरा से शंकरलाल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुन्दोज से बलवीर पारगी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिराठिया कलां से बगदाराम सैन, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बख्तावरपुरा से विष्णु कुमार वर्मा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसरलाई से अविनाश राजपुरोहित एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मालवा से इम्तियाज खान ने शिविर में सहभागिता की। गाइड विभाग से राजकीय संस्कृत उच्च प्राथमिक विद्यालय दलपतगढ़ से भगवती कंसारा, के.एस. लोढ़ा पब्लिक स्कूल फालना से पूजा जोशी, राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय दुदिया से रामदेई, विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिजौवा से खुशबू गायत्री तथा एस.एम.बी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल (अंग्रेजी माध्यम) रानी से सुमित्रा ने शिविर में भाग लेकर यूनिट लीडर की सर्वोच्च योग्यता प्राप्त की। यूनिट लीडर के रूप में यह योग्यता न्यूनतम तीन वर्षों की सेवा के उपरांत प्राप्त होती है। सेवा प्रारंभ करने के छह माह बाद सात दिवसीय आवासीय बेसिक प्रशिक्षण कोर्स, उसके छह माह बाद सात दिवसीय आवासीय एडवांस कोर्स तथा एडवांस कोर्स के बाद एक वर्ष की सेवा अवधि में दो प्रोजेक्ट असाइनमेंट पूर्ण करने पर हिमालय वुडबैज कोर्स हेतु आवेदन की पात्रता प्राप्त होती है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी द्वारा चयन उपरांत सात दिवसीय आवासीय शिविर में सफलता प्राप्त करने पर हिमालय वुडबैज पार्चमेंट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने बताया कि हिमालय वुडबैज कोर्स अत्यंत कठिन, अनुशासित एवं स्काउट गाइड की सूक्ष्म तकनीकी दक्षताओं पर आधारित होता है। जिले के 10 स्काउट एवं 05 गाइड यूनिट लीडरों द्वारा इस कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण करना जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। इस उल्लेखनीय सफलता पर जिला प्रशिक्षण आयुक्त, जिला मुख्य आयुक्त प्रकाश चंद्र सिंघाड़िया, लीडर ट्रेनर स्काउट पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, आलोक शर्मा सहित समस्त जिला संगठन पदाधिकारियों ने सभी सफल यूनिट लीडरों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है कि बीते एक दशक में पाली जिले से 50 से अधिक हिमालय वुडबैज, 15 सहायक लीडर ट्रेनर तथा 03 लीडर ट्रेनर तैयार हो चुके हैं, जिससे जिले ने राजस्थान प्रदेश स्तर पर विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

वार्ड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में वार्ड नंबर 9 रही विनर

-समाजसेवी हाजी वक़ार अहमद के मुख्य आतिथ्य में हुआ समापन समारोह

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । फुटबाल क्लब वार्ड नं. 19 के तत्वावधान में आयोजित की जाने वाली चार दिवसीय वार्ड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के चौथे दिन शुक्रवार को दिन के 3 बजे बावड़ी ग्राउंड में फाइनल मुकाबला खेला गया। इस प्रतियोगिता में वार्ड की 18 टीमों ने भाग लिया। आयोजन समिति के प्रेस प्रवक्ता मोहम्मद इलियास व मोहम्मद इरफ़ान ने बताया कि चौथे दिन का फाइनल मैच वार्ड नं. 9 बनाम वार्ड नं. 19 के बीच खेला गया। जिसमें वार्ड नं. 9 एक गोल से विजय रही। फुटबाल क्लब वार्ड नं. 19 के संरक्षक सेठ मोहम्मद अशफाक सदर ईदगाह कमेटी मांगरोल व अध्यक्ष जावेद अख्तर ने बताया कि फाइनल मैच के तुरन्त बाद समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी हाजी वक़ार अहमद बीडी वाले अध्यक्ष खैरुन्निशा एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी रहे। अध्यक्षता मास्टर आबिद हुसैन पूर्व सचिव इन्तिजामिया कमेटी अंजुमन मदरसा ने की । विशिष्ट अतिथि में कांग्रेस युवा नेता दानिश डायमंड, समाज सेवी सेठ इन्साफ अली थे। प्रतियोगिता फाइनल में विजेता होने वाली टीम को बड़ा कप आयोजन समिति की और से दी गई एवं 3100 रुपए की राशी कालू भाई कबाड़ी की और से दी गई व प्रत्येक खिलाड़ियों को एक एक शील्ड आयोजन समिति द्वारा दी गई तथा द्वितीय पुरस्कार 2100 रुपए सेठ आशिक अली की और से एवं छोटा कप व प्रत्येक खिलाड़ियों को एक एक शील्ड आयोजन समिति द्वारा देकर सम्मानित किया गया। बेस्ट पीलियर का इनाम वार्ड नं. 19 के खिलाड़ी मोहम्मद आकिब को हनी स्पोर्ट्स निसार भाई की और से शील्ड के साथ सम्मानित किया गया। गेम इंचार्ज में लियाकत हुसैन शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चेहडिया, सतीश कुमार उर्फ मामा शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाठेड़ा, मोहम्मद अनीस आर. पी. समग्र शिक्षा अंता, आसिफ खान शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कागला बमोरी किशनगंज रहे। फ़ाईनल मुकाबले में रेफरी की भूमिका में आसिफ खान, मास्टर रफीक अहमद व मोइनुद्दीन ने निभाई। 3 फरवरी से 6 फरवरी तक आयोजित की गई प्रतियोगिता में सराहनीय कार्य करने पर आयोजिन समिति ने शारीरिक शिक्षको एवं सहयोग करने वाले वरिष्ठ खिलाड़ियों का भी माला, साफा व स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया, इसके बाद आयोजन समिति फुटबाल क्लब वार्ड नं. 19 वासियों ने आए हुए अतिथियों का भी माला साफा व स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया गया! वार्ड नं. 9 की जीत पर दर्शकों की ओर से आतिशबाजी कर खुशी मनाई। फूटबाल क्लब वार्ड नं. 19 ने दर्शको का भी अभिनन्दन किया।

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा की विशेष पहल पर जिले में पहली बार शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित हुई एजुहैक 2026 प्रतियोगिता प्रतिभाओं का किया सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की विशेष पहल पर शिक्षा और तकनीक के समन्वय की दिशा में चूरू जिले में शनिवार को पेंशनर भवन में एजुहैक चूरू -2026' प्रतियोगिता आयोजित की गई। एजुहैक में विद्यार्थियों की सोच, कौशल और तकनीकी दक्षता का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए लाइव वेबसाइट, एप्लीकेशन एवं डिजिटल पोर्टल्स ने उपस्थितों को प्रभावित किया।

इस मौके पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि विद्यार्थी पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीक को भी अपनाएं। आज का युग तकनीक का युग है। तकनीक और नवाचार के माध्यम से अपनी क्षमताओं का सतत विकास किया जा सकता है। इसलिए तकनीक और नवाचारों से अपनी क्षमताओं का संवर्धन करें और शैक्षिक उन्नयन के नए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि एजुहैक जैसे आयोजन विद्यार्थियों को केवल तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्हें समस्या पहचानने, समाधान सोचने और समाज के लिए उपयोगी नवाचार करने की दिशा देते हैं। नई शिक्षा नीति 2020 का यही मूल उद्देश्य है कि विद्यार्थी रचनात्मक, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार हों। उन्होंने विद्यार्थियों की नवाचार क्षमता की सराहना करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। सीडीईओ डॉ. संतोष कुमार महर्षि ने बताया कि इन नवाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों ने विद्यालयी शिक्षा से जुड़ी वास्तविक समस्याओं के व्यावहारिक और तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों द्वारा विकसित किए गए कृषि, शिक्षा पोर्टल, लर्निंग सपोर्ट सिस्टम, स्टूडेंट हेल्प प्लेटफॉर्म और डिजिटल गाइडेंस टूल्स भविष्य में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

प्रतिभाओं का किया सम्मान:-

इस मौके पर जिला कलक्टर सुराणा ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम स्थान पर रही छात्रा लक्ष्मी जांगिड़, द्वितीय स्थान पर रहे मयंक महर्षि तथा तृतीय स्थान पर रहे जाहिद खान व आशीष पारीक को सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार विजेता लक्ष्मी जांगिड़ ने मेंटर गौरव कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में कृषि मित्र मोबाइल एप्लीकेशन का निर्माण किया, जिसे राज्य स्तर पर अनुमोदन हेतु प्रेषित किया जाएगा। इसी के साथ जिला कलक्टर ने कोड चूरू में अच्छा प्रदर्शन करने पर भवानी शंकर, मूकुल भाटी, गौरव कुमार शर्मा एवं पुस्तकालय अभिरुचि में जनार्दन गहलोत को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में चूरू जिले का गौरव बढ़ाने वाली पीएमश्री राउमावि खण्डवा की छात्रा भूमिका शर्मा एवं मेंटर राजेंद्र सुंडा को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर एडीपीसी सरिता आत्रेय, एसीपी नरेश कुमार छिम्पी, एपीसी हरिप्रसाद शर्मा, मेंटर जमील खान आदि मंचस्थ रहे तथा प्राचार्य सुनील कुमार शर्मा, प्रेमसिंह इन्दा, मुकुल भाटी, इनक्यूबेशन सेंटर एसीपी विनोद कुमारी, एफआईए निदेशक यतीश बेदी आदि ने निर्णायक की भूमिका निभाई। संचालन शिव कुमार शर्मा एवं मुकुल भाटी ने किया।

हजरत चांद शाह का उर्स 13 फरवरी को

- झण्डे की रस्म 12 फरवरी को अदा की जायेगी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। इरफान कुरैशी और मोहम्मद इश्तियाक ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी हजरत चांद शाह दरगाह कमेटी द्वारा सोजती गेट स्थित हजरत चांद शाह बाबा और हजरत जलालुद्दीन बाबा का उर्स 13 फरवरी 2026 को बाद नमाज-ए-ईशा तकरीर का प्रोग्राम आयोजित होगा। साजिद खान ने बताया कि तकरीर में कर्नाटक से सैयद मोहम्मद फाजिल अशरफी और जोधपुर औलमा-ए-सुन्नत शिरकत करेंगे और मौलाना साजिद हुसैन रिजवी, मौलाना हाफिज जावेद कादरी की देखरेख में हर साल की तरह इस साल भी उर्स आयोजित होगा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। झण्डे की रस्म 12 फरवरी 2026 को अदा की जायेगी।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

रिश्तों में बेवफाई को जायज ठहरा बुरी फंसी

शहनाज गिल

शहनाज गिल आए दिन सुर्खियों में छाई रहती हैं. कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर तो कभी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर. वहीं, कभी अपनी बेबाकी की वजह से उन्हें ट्रोल भी होना पड़ जाता है। शहनाज गिल का एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसकी वजह से वो एक बार फिर से चर्चा में आ चुकी हैं। कई यूजर्स शहनाज के कमेंट को लेकर उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि उन्होंने रिश्ते में बेवफाई को जायज ठहराया है और उसे रोमांटिक रूप दिया जा रहा है। दरअसल, तीन महीने पहले शहनाज ने मिर्टी पंजाबी के साथ एक पॉडकास्ट किया था। इस पॉडकास्ट में शहनाज ने मॉडर्न दौर के रिश्तों के बारे में बात की थी। इस दौरान उन्होंने बेवफाई के मुद्दे को उठाया और उसे जायज ठहराया।

अनीत पड्डा

की मार्च में शुरू होगी 'शक्ति शालिनी' की शूटिंग

मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में सैयारा फेम अनीत पड्डा लीड रोल निभा रही हैं। आपको बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2026 से शुरू हो जाएगी। फिल्म सैयारा से बॉलीवुड में एंट्री करने वाली एक्ट्रेस अनीत पड्डा इन दिनों जबरदस्त चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' साइन की है. ये फिल्म 'थामा' के बाद हॉरर यूनिवर्स को आगे बढ़ाने वाली अहम कड़ी मानी जा रही है। इन दिनों फिल्म की शूटिंग चल रही है और मेकर्स इसे दिसंबर 2026 में रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं. अनीत के लिए ये प्रोजेक्ट उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है। 'शक्ति शालिनी' को लेकर अब एक बड़ी खबर सामने आई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स ने इस फिल्म के लिए एक नए एक्टर को साइन कर लिया है जो अनीत पड्डा के अपोजिट नजर आएगा. इस खबर के बाद से फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है. मैडॉक हॉरर यूनिवर्स पहले ही अपनी अलग कहानी और कैरेक्टर्स की वजह से फैंस के बीच पॉपुलर है ऐसे में नई कास्टिंग ने माहौल बना दिया है।

शाहिद कपूर की 'ओ रोमियो' से बड़ी राहत फिल्म की रिलीज का रास्ता हुआ साफ

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो' को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है, जहां गैंगस्टर हुसैन उस्तरा के जीवन पर आधारित होने के दावों वाली याचिका खारिज हो गई है। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता ने पहले पैसों की मांग की थी, इसलिए फिल्म की रिलीज को रोकना उचित नहीं है, जिससे फिल्म का रास्ता साफ हो गया है। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की आने वाली फिल्म 'ओ रोमियो' ने एक बड़ी कानूनी लड़ाई जीत ली है। मुंबई की एक अदालत ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया है। यह केस दिवंगत गैंगस्टर हुसैन उस्तरा की बेटी, सनोबर शेख ने दायर किया था, जिन्होंने दावा किया था कि यह फिल्म उनके पिता की जिंदगी पर आधारित है और इसके लिए उनसे कोई अनुमति नहीं ली गई।

आयुष्मान, सारा और वामिका अभिनीत फिल्म पति पत्नी और वो दो 15 मई में रिलीज होगी

आयुष्मान खुराना अभिनीत कॉमेडी फिल्म पति पत्नी और वो दो 15 मई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने रविवार को यह घोषणा की। यह फिल्म 2019 की पति पत्नी और वो की अगली कड़ी है, जो संजीव कुमार-विद्या सिन्हा की 1978 की फिल्म की रीमेक थी। फिल्म की दूसरी कड़ी का भी निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है, जिन्होंने कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म के पहले भाग का भी निर्देशन किया था। फिल्म पति पत्नी और वो दो में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह मु य भूमिका में हैं।यह फिल्म पहले चार मार्च को रिलीज होने वाली थी। इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और रेणु रवि चोपड़ा ने किया है। फिल्म का निर्माण टी-सीरीज और बीआर स्टूडियोज के सहयोग से किया गया है।

विवेक ओबेरॉय को पर्सनैलिटी राइट्स मामले में हाईकोर्ट से बड़ी राहत

बिना इजाजत फोटो के इस्तेमाल पर होगा एक्शन

बॉलीवुड सेलेब्स इन दिनों पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए कोर्ट का रुख कर रहे हैं। सलमान खान, अमिताभ बच्चन, अजय देवगन, रजनीकांत, अनिल कपूर, ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन, ऋतिक रोशन और जैकी श्रॉफ समेत कई स्टार्स को कोर्ट से पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा मिल चुकी है। इस मामले में विवेक ओबेरॉय ने भी दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। एक्टर को इस मामले में बढ़ी राहत मिली है। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में विवेक ओबेरॉय के पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा करते हुए साफ कहा है कि उनकी अनुमति के बिना उनके नाम, तस्वीर, वीडियो, आवाज या पहचान से जुड़ी किसी भी कंटेंट का इस्तेमाल गैरकानूनी माना जाएगा. अदालत ने इस तरह की सभी उल्लंघनकारी कंटेंट को तुरंत हटाने का आदेश भी दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह के मामलों पर सख्ती से रोक लगाई जा सके विवेक ओबेरॉय की ओर से कोर्ट में पक्ष रख रहीं वरिष्ठ एडवोकेट सना रईस खान ने बताया कि यह आदेश अभिनेता के नाम, छवि और आवाज को कानूनी सुरक्षा देता है। उन्होंने कहा कि विवेक ओबेरॉय न सिर्फ एक अभिनेता हैं, बल्कि पिछले दो दशकों से सामाजिक और बिजनेस जगत में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

आम्रपाली दुबे और मोनालिसा नहीं तो कौन है भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे अमीर एक्ट्रेस

भोजपुरी इंडस्ट्री में कई ऐसी हसीनाएं हैं जो अपनी एक्टिंग और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इन एक्ट्रेसेस में सबसे अमीर कौन है। आम्रपाली दुबे से लेकर मोनालिसा तक की गिनती भोजपुरी की टॉप एक्ट्रेस में होती है। लेकिन, बहुत कम लोग जानते होंगे कि ये दोनों भोजपुरी की सबसे अमीर एक्ट्रेस नहीं हैं। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम अक्षरा सिंह का है। ट्रिंग वेबसाइट के अनुसार उनकी कुल नेट वर्थ लगभग 50-60 करोड़ रुपये है। इस लिस्ट में रानी चटर्जी का भी नाम शामिल है। एक्ट्रेस को भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की एक्शन वुमन भी कहा जाता है। रानी की नेटवर्थ 43 करोड़ रुपये है, वे हर फिल्म में 8-10 लाख चार्ज करती हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर एक्ट्रेस मोनालिसा का नाम शामिल है.उनकी नेटवर्थ 35-40 करोड़ रुपये बताई जाती है और उनका एनुअल इनकम 8-10 करोड़ रुपये है। मोनालिसा बिग बॉस 10 की भी कन्टेस्टेन्ट रह चुकी हैं और काफी सुर्खिया बटोर चुकी हैं। इस लिस्ट पाखी हेगड़े का भी नाम शामिल है वे हर फिल्म से लगभग 2-4 लाख रुपये कमाती हैं. उनका टोटल नेटवर्थ 30-40 करोड़ रुपये है। एक्ट्रेस निधि झा ने भोजपुरी और हिंदी टीवी इंडस्ट्री दोनों में काम किया है। उनके नेटवर्थ 17-40 करोड़ रुपये बताए जाते है। वहीं इस लिस्ट में एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे का नाम शामिल है। आम्रपाली हर फिल्म के लिए 10-15 लाख रुपये चार्ज करती हैं और टोटल नेट वर्थ 14-30 करोड़ रुपये है। इस लिस्ट में सातवे नंबर पर एक्ट्रेस अंजना सिंह का नाम शामिल है। अंजना हर फिल्म में लगभग 3-4 लाख रुपये चार्ज करती हैं. और उनका कुल नेटवर्थ 21 करोड़ रुपये है। वहीं इस लिस्ट के आठवें नंबर पर एक्ट्रेस काजल राघवानी का नाम है। उनकी नेटवर्थ करीबन 14 करोड़ रुपये बताई जाती है।

(साभार एजेंसी)

सुमित नागल को डेविस कप क्वालिफायर में मिली शुरुआती हार

बेंगलुरु (एजेंसी)। डेविस कप क्वालिफायर मुकाबले में भारत को शुरुआती झटका लगा है। देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल को पहले सिंगल्स मैच में नीदरलैंड के गाइ डे ओउडेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तीन सेट तक चले इस मुकाबले में नागल 0-6, 6-4, 3-6 से पराजित हुए, जिसके बाद भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हो गया है।

मैच का हाल

मैच की शुरुआत नागल के लिए बेहद कठिन रही। पहले सेट में गाइ डे ओउडेन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए नागल को कोई मौका नहीं दिया और सेट 6-0 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में नागल ने शानदार वापसी की, अपनी लय हासिल की और निर्णायक ब्रेक के साथ 6-4 से सेट जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

फैसले में चूके नागल

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अहम मौकों पर गाइ डे ओउडेन ने बेहतर खेल दिखाया और 6-3 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

भारत पर दबाव

इस हार के साथ ही बेंगलुरु में खेले जा रहे डेविस कप क्वालिफायर टाई में भारत पर दबाव बढ़ गया है। अब भारतीय टीम को अगले मुकाबलों में वापसी कर सीरीज में बराबरी हासिल करने की जरूरत होगी, ताकि क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बनी रहें।आगामी मैचों में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने टीम वापसी कर सके।

सूर्यकुमार ने विराट कोहली को पीछे छोड़ा

मुंबई, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार की दमदार पारी की मदद से ही भारत अमेरिका के सामने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रहा और उनकी पारी ने मैच में अंतर पैदा किया जिससे भारतीय टीम जीत दर्ज कर सकी। सूर्यकुमार को उनकी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

भारत ने टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में अमेरिका को 29 रन से हराकर शानदार आगाज किया है। शनिवार को वानखेड़े में खेले गए ग्रुप मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की नाबाद 84 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में नौ विकेट पर 161 रन बनाए। जवाब में अमेरिका निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।

सूर्यकुमार ने अमेरिका के खिलाफ अपनी शानदार पारी से कई उपलब्धियां अपने नाम दर्ज की। सूर्यकुमार इसके साथ ही भारत के लिए टी20 में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार 105 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17

हसरंगा की बराबरी पर पहुंचे अर्शदीप

बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीत चुके हैं, जबकि विराट कोहली ने 125 मैचों में 16 बार यह अवॉर्ड जीता है। तीसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं जिन्होंने 14 बार पीओटीएम अवॉर्ड जीता है, जबकि अक्षर पटेल आठ बार यह पुरस्कार अपने नाम कर चुके हैं।

युवराज-रोहित से आगे निकले

सूर्यकुमार टी20 विश्व कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने के मामले में युवराज सिंह, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन से आगे निकल गए हैं।

अर्शदीप के नाम जुड़ी उपलब्धि

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के नाम भी उपलब्धि दर्ज हो गई है। अर्शदीप टी20 विश्व कप में 15 मैचों के बाद सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से दूसरे गेंदबाज हैं। अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं और वह श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा की बराबरी पर पहुंच गए हैं। हसरंगा के नाम भी 29 विकेट थे। इस मामले में दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नॉर्त्जे के नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं।

सर्वाधिक पीओटीएम पुरस्कार

खिलाड़ी	पीओटीएम अवॉर्ड	मैच
सुर्यकुमार यादव	17	105
विराट कोहली	16	125
रोहित शर्मा	14	159
अक्षर पटेल	8	88

छोला शतरंज ग्रैंडमास्टर्स नॉर्म शतरंजः अलीशेर सुलेमेनोव 3.5 अंक बनाकर सबसे आगे

चेन्नई (एजेंसी)। भारत में ज़्यादा से ज़्यादा ग्रैंडमास्टर बनाने के उद्देश्य से शुरू हुए प्रथम छोला शतरंज ग्रैंडमास्टर्स नॉर्म टूर्नामेंट में अब पहला पड़ाव ख़त्म हो चुका है और अब सिर्फ़ अंतिम चार राउंड बाक़ी है . आज खेले गए पाँचवें राउंड के बाद कजाकिस्तान के अलीशेर सुलेमेनोव 3.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है ।ग्रैंड मास्टर नार्म हासिल करने की दौड़ में भारत के एथन वाज, आरोण्यक घोष और औदी अमेय 3 अंक बनाकर उम्मीद क़ायम किए हुए है दरअसल उन्हें 9 राउंड के बाद कम से कम छह अंक हासिल करने है ऐसे में बच्चे हुए चार राउंड में 3 अंक बनाने की चुनौती तीनो के सामने है।

पाँचवें राउंड में क्यूबा के ग्रैंडमास्टर नूरिस देलगाड़ो जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे उन्होंने फ्रांस के माहेल बॉयर को पराजित किया , यह माहेल की प्रतियोगिता में तीसरी हार रही , अन्य मुकाबलों में हर्ष सुरेश नें अलीशेर से , एथन नें फ्रांस के जोसफ गिरेल से, अक्षय बरगोंकर नें मयंक चक्रवर्ती से और अमेय नें आरोण्यक घोष से ड्रा खेला ।

इंग्लैंड ने नेपाल को दिया 185 रनों का टारगेट, बेथल-ब्रूक ने लगाई फिफ्टी

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 7 फरवरी से हो गया है, जिसमें पहले दिन तीन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। वहीं 8 फरवरी को दिन का दूसरा मुकाबला जिसपर सभी की नजरें टिकी हुई हैं वह इंग्लैंड और नेपाल की टीम के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया है। इंग्लैंड टीम की इस मुकाबले में शुरुआत काफी खराब देखने को मिली है जिसमें दूसरे ओवर में ही उन्होंने अपना पहला विकेट के 5 के स्कोर पर

फिल साल्ट के रूप में गंवा दिया तो वहीं इस मैच में जोस बटलर भी बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा सके और 26 रन बनाकर नंदन यादव की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे।इंग्लैंड को इस मैच में तीसरा झटका टॉम बैंटन के रूप में लगा जो 2 रन बनाकर संदीप लामिछाने की गेंद पर स्क्क्ष आउट हुए। वहीं जैकब बेथेल ने इस मैच में 28 बॉल पर अपना अर्धशतक पूरा किया तो वहीं इसके बाद वह 55 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे। इंग्लैंड टीम के कप्तान हैरी ब्रूक के बल्ले से इस मैच में 32 गेंदों में 53 रनों की पारी देखने को मिली।

दोनों टीमों के बीच पहली बार खेला जाएगा मुकाबला

टी20 इंटरनेशनल में अभी तक इंग्लैंड और नेपाल की टीम ने कभी भी एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला नहीं खेला है, ऐसे में दोनों टीमों के बीच में ये पहली भिड़ंत देखने को मिलेगी। इंग्लैंड की टीम ने अब तक दो बार टी20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को अपने नाम किया है, जिसमें उन्होंने साल 2010 और उसके बाद साल 2022 में इसे जीता था। पिछले टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड की टीम ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें भारतीय टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इस बार इंग्लैंड के लिए टी20 वर्ल्ड कप में कप्तानी की जिम्मेदारी उनके स्टार खिलाड़ी हैरी ब्रूक संभाल रहे हैं।

इस खिलाड़ी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले ही दिन ली हैट्रिक

टीम के लिए ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के आगाज़ के साथ ही रोमांच अपने चरम पर पहुंच गया। टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जिसने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान खींच लिया।

17वें ओवर में बदला मैच का रुख – रोमारियो शेफर्ड ने स्कॉटलैंड की पारी के 17वें ओवर में लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह बदल दी। पहली गेंद पर मैथ्यू क्रॉस (11 रन) बैकवर्ड पॉइंट की ओर शॉट खेलते हुए शेफरन रदरफोर्ड को कैच दे बैठे। अगली ही गेंद पर मिचेल लिस्ट खाता खोले बिना रोवमैन पॉवेल के हाथों लपके गए।

वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी इयान बिशप ने कहा-

भारत वर्ल्डकप का दावेदार

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर वेस्टइंडीज के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज कमेंटेटर और इयान बिशप ने अहम बातें कही हैं।

उनका मानना है कि इस वर्ल्ड कप में सिर्फ पावर-हिटिंग नहीं, बल्कि गेंदबाजी की गहराई भी असली अंतर पैदा करेगी।आईसीसी एक्सपर्ट बिशप के मुताबिक वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमें बल्लेबाजी में तो बेहद ताकतवर हैं, लेकिन खिताब जीतने के लिए बॉलिंग यूनिट का मजबूत होना जरूरी है।शुक्रवार को जियोस्टार मीडिया डे के दौरानसबकॉन्टिनेंट की परिस्थितियों पर बात करते हुए बिशप ने कहा, यहां तेज गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती छोटे मैदान और फ्लैट पिचें हैं। ऐसे में उन्हें यॉर्कर, स्लोअर बॉल, कटर और वैरिएशन पर भरोसा करना होगा।

टी-20 वर्ल्डकप

न्यूजीलैंड ने अपना सबसे बड़ा स्कोर चेज किया

अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया, साइफर्ट का अर्धशतक, फर्ग्यूसन को मिले 2 विकेट

चेन्नई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने जीत के साथ टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टीम ने ग्रुप डी के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 183 रन का टारगेट 17.5 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा टारगेट चेज रहा। इससे पहले कीवी टीम ने 2021 में अबू धाबी में इंग्लैंड के खिलाफ 167 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था।

टीम के लिए ओपनर टिम साइफर्ट (65) ने अर्धशतक लगाया। उनके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 42, मार्क चापमन ने 28 और डेरिल मिचेल ने नाबाद 25 रन बनाए। अफगानिस्तान के लिए मुजिब उर रहमान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। राशिद खान, मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह उमरजई को 1-1 विकेट मिला।

इससे पहले, अफगानिस्तान के लिए गुलबदीन नाईब (63) ने अर्धशतक लगाया। सेदिकुल्लाह अटल ने 29, रहमानुल्लाह गुरबाज ने 27 और दारविश

रसूली ने 20 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्यूसन ने 2 विकेट झटके। मैट हेनरी, रचिन रवींद्र और जैकब डफी को 1-1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

- **न्यूजीलैंड** – फिन एलन, टिम साइफर्ट, रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, डेरिल मिचेल, मार्क चापमन, मिचेल सैंटनर (कप्तान), जेम्स नीशम, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी।
- **अफगानिस्तान**– रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दारविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नाईब, राशिद खान (कप्तान), फजलहक फारूकी, जियाउर रहमान

अमेरिका की सबसे सफल स्कीयर जेसी डिगिंस की इंस्पायरिंग स्टोरी

फूड पॉइजनिंग से निढाल थी, शरीर टूट रहा था, रेस में गिरी भी, पर मां की सीख ने जिता दी हारी हुई बाजी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। बीजिंग विंटर ओलिंपिक का आखिरी दिन...था, प्रकृति और शरीर, दोनों मेरे खिलाफ थे। माइनस 21 डिग्री पारा और बर्फीले तूफान के बीच 30 किमी की रेस थी। रेस से 30 घंटे पहले फूड पॉइजनिंग से निढाल थी, न खाना पच रहा था, न ही जॉगिंग कर पा रही थीं। फिर भी मैं मैदान में उतरी...।' अमेरिका की सबसे सफल क्रॉस-कंट्री स्कीयर जेसी डिगिंस कहती हैं- रेस के दौरान गिरने और शरीर में ऐंठन के बावजूद वे डटी रहीं। अंतत- रेस पूरी कर सिल्वर मेडल जीता और इतिहास रच दिया। तीन वर्ल्ड कप, तीन ओलिंपिक मेडल और सात वर्ल्ड चैम्पियनशिप जीत चुकी डिगिंस 2026 में इटली में होने जा रहे विंटर ओलिंपिक में पूरे दमखम के साथ उतर रही हैं, जानिए उनके शीर्ष तक पहुंचने का सफर।

'बात 2022 विंटर ओलिंपिक की है। रेस से पहले हुई फूड पॉइजनिंग से शरीर में पानी और ऊर्जा की भारी कमी हो गई। सुबह 10 मिनट की हल्की दौड़ भी पूरी नहीं कर पाई। बिस्तर पर गिरकर फूट-फूट कर रोने लगी। मम्मी-पापा को फोन किया और बस इतना कह सकी,'सब कुछ वैसा नहीं हो रहा, जैसा होना चाहिए था।' शाम को शरीर थोड़ा संभला। स्पिन बाइक पर हल्की एक्सरसाइज की। अगली सुबह बस में बैठी तो मां का ई-मेल देखा, जिसने मेरी बेचैनी शांत कर दी। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें यह रेस किसी के लिए नहीं करनी है। तुम पर किसी का उधार नहीं है। आज तुम स्कीइंग करती हो तो सिर्फ इसलिए करना क्योंकि तुम्हें इस खेल से प्यार है।' बस, उसी पल दिमाग से दबाव और मन से बोझ हट गया। बर्फीली हवाएं बदन को चाकू की तरह चीर रही थीं। पर असली चुनौती बाहर का मौसम नहीं, बल्कि अंदर चल रहा तूफान था।

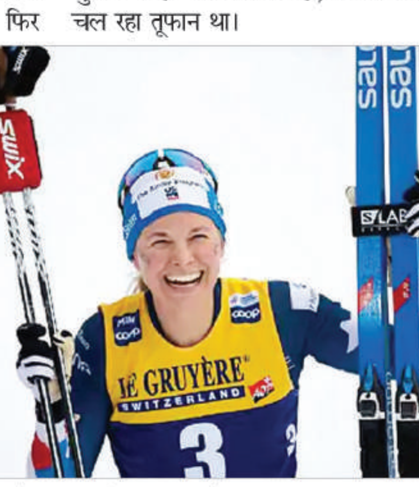

जेसी कहती हैं- शरीर टूट चुका था, पर दिल हार मानने को तैयार नहीं था। आधा किलोमीटर के भीतर दूसरी स्कीयर ने कट दिया, मैं गिर पड़ी। आगाज बुरा था, पर मैं उठी। खुद से कहा,'अब खोने को कुछ नहीं, बस दौड़ो।' पर जैसे ही पहाड़ों पर चढ़ाई शुरू हुई, हिम्मत टूटने लगी...। फीड जोन में ड्रिंक लेते समय छोटी सी चूक हुई और नॉर्वे की योहॉग काफी आगे निकल गईं। तेज हवा में अकेले स्की करना खतरनाक था। कोच चिल्लाते रहे- अकेली मत रहो! पर मेरे पास कोई विकल्प था ही नहीं। मेरे घुटनों से शुरू हुई ऐंठन शरीर में फैल गई।

एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2026 : भारत की इलावेनिल वलारिवन ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार निशानेबाज इलावेनिल वलारिवन ने एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का कॉन्टिनेंटल खिताब सफलतापूर्वक बचाव किया। 26 वर्षीय इलावेनिल ने फाइनल में 252.0 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

तीसरा व्यक्तिगत कॉन्टिनेंटल खिताब – इलावेनिल वलारिवन ने छठी सीरीज में निर्णायक बढ़त बनाई और अंत तक उसे कायम रखते हुए अपना तीसरा व्यक्तिगत एशियन खिताब जीता। उन्होंने इससे पहले साल 2019 में अपना पहला एशियन स्वर्ण पदक हासिल किया था।

जापान की नोबाटा को रजत, मेघना सज्जनार को कांस्य – फाइनल में जापान की ओलंपियन मिसाकी नोबाटा ने 251.5 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। वहीं, भारत की मेघना सज्जनार ने 229.5 के स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। 32 वर्षीय मेघना ने फाइनल में अपनी ही हमवतन आर्या बोरसे को हराकर अपना पहला कॉन्टिनेंटल कांस्य पदक जीता।

क्वालिफिकेशन में भी इलावेनिल टॉप पर – इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में भी इलावेनिल ने 633.7 का स्कोर कर पहला स्थान हासिल किया था। आर्या बोरसे (630.3) और मेघना सज्जनार (628.6) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

टीम इवेंट में भी भारत को स्वर्ण – इलावेनिल वलारिवन, आर्या बोरसे और मेघना सज्जनार की तिकड़ी ने 1892.6 के कुल स्कोर के साथ टीम इवेंट में भी भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। इस स्पर्धा में जापान ने रजत और कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता।

भाजपा ने विपक्ष को मिल रहे मराठी समर्थन के कारण रितु तावड़े को मुंबई का महापौर चुना : राउत

मुंबई, (भाषा)। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव में उनकी पार्टी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को मिले मराठी लोगों के भारी समर्थन के कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मुंबई के महापौर के रूप में एक मराठी व्यक्ति को चुनना पड़ा। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी कटाक्ष किया।शनिवार को आरएसएस शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेता सलमान खान को संघ प्रमुख मोहन भगवत से बातचीत करते देखा गया था। राज्यसभा सदस्य ने पूछा, क्या यह फिल्म अभिनेता सलमान खान का स्वागत था या (यह संदेश था कि) संघ व उसकी शाखाओं में मुसलमानों का भी स्वागत है? उन्होंने आरोप लगाया कि भागवत को इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए क्योंकि जिस तरह से हिंदू-मुस्लिम नफरत और बदले की भावना से प्रेरित दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है, उसमें संघ भी शामिल है।राउत ने मुंबई के महापौर पद के लिए भाजपा द्वारा रितु तावडे (53) को उम्मीदवार बनाए जाने पर कहा कि वह मूल रूप से कांग्रेस से हैं।

प्रधानमंत्री का नीतिगत स्थिरता का सिद्धांत बजट का आधार, विकसित भारत पर जोर : सीतारमण

नई दिल्ली, (भाषा)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नीतियों में बार-बार बदलाव से बचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर ने आम बजट 2026-27 को आकार दिया है। यह बजट नीतिगत स्थिरता पर आधारित है और इसके केंद्र में विकसित भारत के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को रखा गया है।एक नए पांच वर्षीय वित्तीय चक्र और 21वीं सदी की दूसरी तिहाई के पहले बजट के रूप में तैयार यह दस्तावेज राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए पूंजीगत व्यय, बुनियादी ढांचे के विस्तार और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता देता है। सीतारमण ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, लोग स्थिरता चाहते हैं, और इसीलिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार चुना है। उस वोट में स्थिरता निहित है, और यह बात पिछले बजटों के माध्यम से नीतियों के क्रियान्वयन के तरीके में भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की लगातार तीसरी चुनावी जीत राजनीतिक और नीतिगत स्थिरता का स्पष्ट सार्वजनिक समर्थन है, जिसे सरकार भारत की दीर्घकालिक विकास रणनीति के लिए महत्वपूर्ण मानती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दिशा में अचानक बदलाव से बचने की जरूरत पर लगातार जोर दिया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री हमेशा नीतियों में बार-बार बदलाव से बचने की बात करते हैं।

सूरजकुंड झूला हादसा

मुख्यमंत्री ने सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

चंडीगढ़, (भाषा)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि फरीदाबाद के सूरजकुंड में झूला हादसा दुखद है और उन्होंने अधिकारियों को मेले एवं अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि झूला गिरने के कारण का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं और लोगों को बचाने की कोशिश में जान गंवाने वाले पुलिस निरीक्षक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की गई है। यह हादसा सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले के दौरान हुआ। घटना के समय लगभग 19 लोग झूले पर सवार थे, जो अचानक हवा में झुक गया और फिर टूटकर जमीन पर गिर पड़ा। मृतक की पहचान 58 वर्षीय पुलिस निरीक्षक जगदीश प्रसाद के रूप में हुई, जिन्हें 2019-20 में हरियाणा के राज्यपाल द्वारा पुलिस पदक से सम्मानित किया

गया था। सैनी ने घोषणा की कि सूरजकुंड हादसे में गंभीर रूप से घायलों को राज्य सरकार की ओर से एक-एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। कुरूक्षेत्र में 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी के समापन समारोह के मौके पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरजकुंड मेले में लगे झूलों की हर दिन जांच की जाती है और इस मामले में एक रिपोर्ट तैयार की जाती है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना किस कारण से हुई, इस पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी और जिम्मेदार पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सार्वजनिक सुरक्षा और कल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, सैनी ने कहा कि हरियाणा सूरजकुंड दुर्घटना से प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें आश्वासन दिया कि इस कठिन समय के दौरान उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निरीक्षक जगदीश प्रसाद के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय सिंघल के निर्देश पर फरीदाबाद के पुलिस उपायुक्त (अपराध) की देखरेख में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। रविवार को एक बयान में, हरियाणा पुलिस ने कहा कि हिमाचल फन केयर कंपनी के मालिक और मेला परिसर में झूले लगाने के लिए जिम्मेदार मोहम्मद शाकिर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और कानून के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जान गंवाने वाले निरीक्षक को 2020 में मिला था पुलिस पदक

हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित सूरजकुंड मेले के मैदान में एक विशाल झूला बीच हवा में टूटकर गिर गया, जिसके बाद लोगों को बचाने की कोशिश में ड्यूटी पर तैनात 58 वर्षीय पुलिस निरीक्षक जगदीश प्रसाद की जान चली गई। हरियाणा के राज्यपाल ने 2019-20 में जगदीश को पुलिस पदक से सम्मानित किया था। शनिवार शाम करीब छह बजे जब झूला अचानक झुककर जमीन पर गिरा, तब उसमें लगभग 19 लोग झूल रहे थे, जिनमें से 11 लोग घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 1989 में हरियाणा सशस्त्र पुलिस में शामिल हुए और 36 साल की सेवा पूरी करने के बाद मार्च में सेवानिवृत्त होने वाले प्रसाद ने झूले में फंसे लोगों को बचाने की कोशिश में वीरता दिखाई लेकिन इस प्रक्रिया में वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर विपक्ष के आरोप निराधार, किसान हित सर्वोपरि: शिवराज

भोपाल,(भाषा)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए रविवार को कहा कि इस समझौते में कृषि क्षेत्र की संपूर्ण सुरक्षा की गई है और किसान हित सर्वोपरि रखा गया है। चौहान ने राजधानी भोपाल स्थित अपने आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं किया गया है जिससे भारतीय किसानों को जरा भी नुकसान हो। उन्होंने कहा कि सभी संवेदनशील वस्तुओं को समझौते से पूरी तरह बाहर रखा गया है। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया था कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते से भारत को फायदा नहीं हुआ बल्कि अमेरिका का लाभ हुआ है क्योंकि यह समझौता दबाव में किया गया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समर्पण कर दिया।चौहान ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि विपक्षी दल बेवजह का हो-हल्ला मचा रहे हैं कि इस समझौते से खेती बर्बाद हो जाएगी और किसानों का सत्यानाश हो जाएगा। उन्होंने कहा, आप गहराई में जाकर देखें, हमारे वे सारे कृषि उत्पाद, जो हमारे किसानों की मूल ताकत है। राष्ट्रहित सर्वोपरि, किसान हित सर्वोपरि। कृषि मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि मैं देश नहीं झुकने दूंगा और किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दूंगा।

पाकिस्तान की मस्जिद में हुआ विस्फोट दुर्भाग्यपूर्ण : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, (भाषा)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान में एक मस्जिद के अंदर हुई विस्फोट की घटना यह दिखाती है कि लोग दोजख की आग की ओर ले जाने वाले रास्ते पर चल रहे हैं। अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के पंपोर कस्बे में पत्रकारों से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अब मस्जिदों के अंदर भी विस्फोट हो रहे हैं। इससे पता चलता है कि हम अल्लाह से कितना दूर चले गए हैं... हम उस रास्ते पर चल रहे हैं जो हमें दोजख की आग में ले जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित किया जाना चाहिए, अब्दुल्ला ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान की राजधानी

में शुक्रवार को नमाज के दौरान शिया समुदाय की मस्जिद में आत्मघाती हमलावर द्वारा विस्फोट किए जाने से कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 अन्य घायल हो गए। यह हमला हाल के वर्षों में शिया समुदाय को निशाना बनाकर किए गए सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक है।

खाना बनाने से इंकार करने पर पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या की

ग्वालियर (मध्यप्रदेश),(भाषा)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में खाना बनाने से इंकार करने पर एक व्यक्ति ने अपनी बीमार पत्नी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को जानकारी दी।नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) अतुल सोनी ने बताया कि मृतक की पहचान रुचि (35) के रूप में हुई है और उसके दो बच्चे हैं, जिनमें 14 वर्षीय बेटी और 11 वर्षीय बेटा शामिल हैं।उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार देर रात करीब 11 बजे हुई, जब आरोपी सोनू तोमर शराब के नशे में घर पहुंचा और पत्नी से खाना बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि बीमारी के चलते खाना बनाने से

इंकार किए जाने पर उसने गुस्से में आकर रुचि पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।सोनी ने बताया कि घटना के समय घर में मृतक के सास-ससुर और दोनों बच्चे मौजूद थे।उन्होंने बताया कि महिला के ससुर जगदीश तोमर ने वारदात की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस और विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची।सीएसपी ने बताया कि घटना के बाद आरोपी घर से निकलकर स्टेशन बजरिया क्षेत्र में शराब पीने चला गया और बाद में वापस घर लौट आया, जहां मौजूद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि हत्या के बाद उसने इस्तेमाल किया गया हथियार रास्ते में कहीं फेंक दिया है।सीएसपी ने परिवार वालों के हवाले से बताया कि आरोपी शराब का आदी है और उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर हथियार बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

मेट्रो किराए में हुई बढ़ोतरी को वापस लेने का कोई आदेश नहीं : बीएमआरसीएल सूत्र

बेंगलुरु,(भाषा)। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के सूत्रों ने रविवार को कहा कि सोमवार से लागू होने वाले संशोधित मेट्रो किरायों को वापस लेने को लेकर अब तक कोई निर्देश नहीं मिले हैं। बीएमआरसीएल ने हाल ही में मेट्रो किरायों में एक रुपए से लेकर पांच रुपए तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी। बीएमआरसीएल के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि मेट्रो किराए को वापस लेने को लेकर हमें कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए पहले जो घोषणा की गई थी, वही लागू रहेगी। इस बीच, बेंगलुरु दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को कहा था कि केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शहर में प्रस्तावित मेट्रो किराया वृद्धि को अस्थाई रूप से रोकने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। सूर्या ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने किराया निर्धारण समिति (एफएफसी) में पाई गई विसंगतियों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा का आश्वासन भी दिया है और यदि राज्य सरकार अनुरोध करती है तो एक नई समिति गठित करने पर भी विचार किया जा सकता है। इससे पहले दिन में, सूर्या ने मेट्रो यात्रियों से बातचीत की और किराया वृद्धि पर उनकी राय जानी। बाद में संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बार-बार किराए में संशोधन किए जाने से यात्री नाराज हैं। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार मेट्रो किराया वृद्धि के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराकर "जनता को गुमराह" कर रहे हैं। सूर्या ने किराया निर्धारण समिति के गठन की मांग भी की। उधर, केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मेट्रो किराया वृद्धि के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

छह वर्षीय बच्ची का शव मिला, परिवार ने यौन उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाया

दरभंगा, (भाषा)। बिहार के दरभंगा जिले में छह वर्षीय एक बच्ची का शव मिला है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि परिवार ने आरोप लगाया कि बच्ची का यौन उत्पीडन् किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, घटना शनिवार को विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने बताया कि दो अन्य बच्चों के साथ एक तालाब के पास खेलते समय वह लापता हो गई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाद में परिवार के सदस्यों को उसका शव एक सुनसान जगह पर खून से लथपथ मिला। परिवार ने आरोप लगाया कि एक पड़ोसी उसे सुनसान जगह पर ले गया और यौन उत्पीडन् करने के बाद उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि पड़ोसी को गिर तार कर लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जगनाथ रेड्डी ने बताया, फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर लिया है।

डिजिटल अरेस्ट मामले में दो लोग गिरफ्तार, 100 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी का खुलासा : पुलिस

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली पुलिस ने कम से कम 190 साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों और 100 करोड़ रुपए से अधिक से जुड़े डिजिटल अरेस्ट मामले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपियों की पहचान अनीश सिंह और मणि सिंह के रूप में हुई है। दोनों को एक महिला की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया, जिसमें उसने कहा कि उसे लगभग दो महीने तक मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और फर्जी साइबर अपराध जांच के बहाने उससे 40 लाख रुपए हस्तांतरित करवा लिए गए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा पीड़िता को पिछले साल 15 अक्टूबर से 12 दिसंबर के बीच डिजिटल अरेस्ट का शिकार बनाया गया था। इस दौरान, खुद को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बताकर धोखेबाजों द्वारा उसे गिरफ्तारी, कानूनी कार्वाई और सामाजिक बदनामी की धमकी दी गई थी। शिकायतकर्ता, जो एक गृहिणी हैं, को शुरू में मुंबई अपराध शाखा के आईपीएस अधिकारी होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने फोन किया, जिसने महिला पर आधार कार्ड का उपयोग करके आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया। अधिकारी ने बताया कि बाद में पीड़िता की बात एक महिला से कराई गई, जिसने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और वीडियो और ऑडियो कॉल का इस्तेमाल करते हुए फर्जी प्राथमिकी और गिरफ्तारी वारंट दिखाए। उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट के दौरान साइबर अपराधियों ने पीड़िता से 40 लाख रुपए अलग-अलग खातों में जमा करवाए। पीड़िता की शिकायत पर अपराध शाखा द्वारा मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों द्वारा सबूत मिटाने के प्रयासों के बावजूद पुलिस टीम ने डिजिटल सबूतों का पता लगाया। उन्होंने कई राज्यों में सक्रिय फर्जी कंपनियों से जुड़े कई संदिग्ध बैंक खातों और यूपीआई आईडी का भी पता लगाया। अधिकारी ने बताया, पश्चिमी दिल्ली के न्यू महावीर नगर में पंजीकृत एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नाम पर मौजूद ऐसा ही एक खाता मिला और यह एक अहम कड़ी के रूप में सामने आया। अनीश सिंह और मणि सिंह इस फर्म के संयुक्त निदेशक हैं।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, (भाषा)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर घाटी के विभिन्न जिलों से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को वसूली की गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में यह भी कहा कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को तेंगनुपाल जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास यांगौबुंग क्षेत्र से एक मोर्टार और दो आईईडी बरामद किए। बरामद विस्फोटकों को बम निरोधक दल ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। पुलिस ने बताया कि जबरन वसूली के आरोप में शनिवार को इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों से प्रतिबंधित संगठन प्रीपैक के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। प्रतिबंधित संगठन केवाईकेएल के एक कार्यकर्ता को शनिवार को काकचिंग जिले के काकचिंग लमखाई इलाके से गिरफ्तार किया गया। प्रतिबंधित यूएनएलएफ (के) के एक सदस्य को शुक्रवार को इंफाल पश्चिम जिले के कंचिपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि राज्य में वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकडने के लिए खुफिया जानकारी के आधार पर व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान, घेराबंदी और खोज अभियान जारी हैं।

पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में अगले तीन दिन सामान्य से नीचे जा सकता है तापमान: आईएमडी

कोलकाता, (भाषा)। पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिन तापमान सामान्य से नीचे बना रह सकता है और इसके बाद इसमें लगभग दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को यह जानकारी दी।आईएमडी के अनुसार, अगले सात दिन तक राज्य में शुष्क मौसम बने रहने के कारण उप-हिमालई जिलों के ज्यादातर हिस्सों में सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छाया रह सकता है।मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। राज्य के मैदानी क्षेत्रों में सिउड़ी में सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 3.6 डिग्री कम है। कल्याणी में न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। झाडग्राम और कलाईकुण्डा में न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि बैरकपुर और बांकुड़ा में यह 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दार्जिलिंग में न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस रहा, हालांकि यह सामान्य से दो डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार, कोलकाता में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री कम 14.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजस्थान में ग्राम उत्थान शिविरों से अंतिम छोर तक पहुंच रही योजनाएं: भजनलाल

राज्य सरकार किसानों को किसान आय सहायता योजना के तहत सालाना 9,000 रुपए दे रही है

जयपुर, (भाषा)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि पूरे राज्य में ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि किसानों, मजदूरों, पशुपालकों और कमजोर वर्गों के लोगों तक कल्याणकारी योजनाएओं का लाभ पहुंच सके। अलवर जिले के रामगढ़ के बहाला गांव में आयोजित शिविर को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार सीधे पात्र लाभार्थियों से संपर्क करके मौके पर ही समस्याओं का समाधान कर रही है। मुख्यमंत्री ने अलवर शहर के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से संबंधित 152 करोड़ रुपए से अधिक की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि गांव देश की आत्मा हैं और राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर व सशक्त गांवों के विजन के अनुरूप काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबीजी रामजी कानून के तहत 100 दिनों की बजाय 125 दिनों का रोजगार मिलेगा, जिसमें पूरी पारदर्शिता और आधुनिक तकनीक का उपयोग होगा। उन्होंने कहा कि मजदूरी सीधे श्रमिकों के खातों में जमा होगी और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए स्थाई संपत्तियां बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह कानून विकसित भारत के

> » मजदूरी सीधे श्रमिकों के खातों में जमा होगी और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए स्थाई संपत्तियां बनाई जाएंगी

लक्ष्य को साकार करने में मदद करेगा। शर्मा ने बताया कि अब तक।,800 से अधिक ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। 1.34 लाख से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड और 65,000 से अधिक स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए हैं, जबकि लगभग 37,000 किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि करीब 6.5 लाख पशुओं का उपचार किया गया और पीएम सूर्य घर योजना के तहत 36,000 से अधिक पंजीकरण किए गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को किसान आय सहायता योजना के तहत सालाना 9,000 रुपए दे रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अब तक एक लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं, जबकि 1.54 लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यकाल में किसी भी परीक्षा का पेपर लीक नहीं हुआ और सभी परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से आयोजित की गईं। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि ग्राम उत्थान शिविर डेयरी, सौर ऊर्जा और ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत के तहत समावेशी विकास की राह पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com